E PAPER

थिंक राजस्थान

सोच नई, राजस्थान के लिए

वर्ष: 01 | अंक: 40 | पृष्ठ: 8 | अंग्रेजी/हिन्दी (दैनिक) | जयपुर, रविवार 23 अगस्त, 2026 | मूल्य: ₹10.00 | प्रभात | RNI NO. RJMUL/26/A4290

जयपुर में 600 बेड का अस्पताल बनाएगा माहेश्वरी समाज, लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने किया शिलान्यास, 3 साल में होगा तैयार

थिंक राजस्थान

जयपुर। माहेश्वरी समाज की ओर से आमजन को सस्ता इलाज उपलब्ध करवाया जाएगा। समाज की ओर से माहेश्वरी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च सेंटर तैयार किया जा रहा है, जिसका शिलान्यास शनिवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने किया। इस इंस्टीट्यूट की स्थापना मानसरोवर के वंदे मातरम रोड पर गणपतपुरा में की जा रही है। इसके तहत जयपुर में 600 बेड का अत्याधुनिक मेडिकल अस्पताल बनेगा। प्रोजेक्ट के चेयरमैन बजरंग लाल बाहेती ने बताया कि वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन किया गया। यह पूरा प्रकल्प 22 हजार वर्ग गज में होगा और 10 लाख वर्ग फीट में निर्माण कार्य होगा। इस मौके पर स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि माहेश्वरी समाज ने अपनी कर्मठता, उद्यमशीलता और संस्कारों के बल पर शिक्षा, स्वास्थ्य एवं समाज सेवा के क्षेत्र में सदैव अनुकरणीय योगदान दिया है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में यह नई पहल उसी गौरवशाली सेवा परंपरा का एक महत्वपूर्ण विस्तार है। बिरला ने कहा, 'मुझे विश्वास है कि यह चिकित्सा संस्थान बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ ही चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में भी प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित होगा।' अस्पताल की लागत करीब 600 से 700 करोड़ रुपए होगी। अस्पताल 3 साल में बनकर तैयार होगा। इसमें 3 मंजिल बेसमेंट में और 11 मंजिल ऊपर होंगी। प्रथम चरण में 300 बेड और 5 लाख वर्ग फीट पर निर्माण होगा, जिसमें 13 एडवांस ऑपरेशन थिएटर, 2 वर्ल्ड क्लास कैथ लैब, एडवांस डायग्नोस्टिक सेंटर समेत सुपर स्पेशियलिटी हेल्थ केयर फैसिलिटी होगी। इसके अलावा 2000 वर्ग गज में भगवान महेश का भव्य मंदिर भी बनाया जाएगा। माहेश्वरी समाज, जयपुर लंबे समय से शिक्षा, चिकित्सा, सामाजिक सेवा और सामुदायिक सुविधाओं के क्षेत्र में कार्य कर रहा है। समाज की द एजुकेशन कमेटी के अंतर्गत 11 शिक्षण संस्थान संचालित हैं। माहेश्वरी समाज की इस पहल का उद्देश्य आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं को आमजन के लिए सुलभ और किफायती बनाना है। संस्थान में गंभीर बीमारियों के उपचार के साथ विशेषज्ञ चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर रहेगा। अस्पताल के निर्माण से जयपुर और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए दूसरे शहरों की ओर जाने की आवश्यकता कम होगी। प्रोजेक्ट के अनुसार, अस्पताल का निर्माण चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा। पहले चरण में 300 बेड की सुविधा विकसित की जाएगी और करीब 5 लाख वर्ग फीट क्षेत्र में निर्माण कार्य होगा। इस चरण में 13 अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर, दो वर्ल्ड क्लास कैथ लैब और एडवांस डायग्नोस्टिक सेंटर स्थापित किए जाएंगे। अस्पताल में सुपर स्पेशियलिटी हेल्थ केयर की सुविधाएं भी उपलब्ध कराने की योजना है। इससे हृदय रोग, कैंसर, न्यूरो, किडनी और अन्य गंभीर बीमारियों के मरीजों को एक ही परिसर में विशेषज्ञ उपचार उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। पूरी परियोजना करीब 22 हजार वर्ग गज भूमि पर विकसित की जाएगी और इसमें लगभग 10 लाख वर्ग फीट निर्माण होगा। प्रस्तावित अस्पताल में बेसमेंट की तीन मंजिलों के अलावा 11 मंजिलें ऊपर होंगी। परियोजना की अनुमानित लागत करीब 600 से 700 करोड़ रुपए बताई गई है और इसे लगभग तीन वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

रांची में सीएम के पुतला दहन के दौरान झड़प, तीन एफआईआर

थिंक राजस्थान

रांची। झारखंड में जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं को रद्द कर सुधार लागू करने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर रांची पुलिस ने कार्रवाई की है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पुतला दहन के दौरान हुई झड़प के मामले में पुलिस ने तीन अलग-अलग एफआईआर दर्ज की हैं। इन मामलों में 14 लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया है, जबकि कई अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई कोतवाली थाना में दर्ज मामलों के आधार पर की गई है। पूरा मामला शुक्रवार को जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म मंच के बैनर तले आयोजित प्रदर्शन से जुड़ा है। प्रदर्शनकारी छात्र जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं में सुधार तथा अन्य मांगों को लेकर मुख्यमंत्री का पुतला दहन करने पहुंचे थे। पुलिस के मुताबिक, प्रदर्शन के दौरान स्थिति तनावपूर्ण हो गई और प्रदर्शनकारियों तथा पुलिस के बीच नोकझोंक और झड़प की स्थिति उत्पन्न हो गई। इसके बाद मामले की जांच करते हुए तीन अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की गईं। वहीं, छात्र संगठनों ने इस कार्रवाई के विरोध में आगे की रणनीति तैयार करने के संकेत दिए हैं।

CJP का सरकार के खिलाफ मोर्चा, रांका बोले- अब बात स्कूल नहीं, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की

थिंक राजस्थान

जयपुर। बगरू क्षेत्र में CJP कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों के बीच हुई झड़प के बाद मामला गरमा गया है। दोनों पक्षों की शिकायतों की पुलिस जांच के बीच CJP ने घटना को सुनियोजित हमला बताते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी और निष्पक्ष जांच की मांग की है। CJP सह-संयोजक आशुतोष रांका ने कहा कि संगठन अब केवल सरकारी स्कूलों की व्यवस्थाओं का मुद्दा नहीं उठाएगा, बल्कि शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के इस्तीफे की मांग को भी आंदोलन का प्रमुख मुद्दा बनाएगा। उन्होंने सरकार को 48 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए मांगें नहीं माने जाने पर बड़े आंदोलन की चेतावनी दी। रांका ने आरोप लगाया कि CJP टीम पर हमला सुनियोजित था और मौके पर पुलिस की ओर से तत्काल मदद नहीं मिली। उन्होंने घटना से जुड़े वीडियो सार्वजनिक करते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की।

हालांकि, घटना को लेकर ग्रामीण पक्ष की शिकायत भी पुलिस के पास दर्ज है और मामले की जांच जारी है। CJP ने तीन प्रमुख मांगें रखी हैं। इनमें स्कूलों के निरीक्षण पर लगाए गए प्रतिबंध का आदेश वापस लेना, हमले के आरोपियों की गिरफ्तारी और जिस सरकारी स्कूल के पशु तबेले में संचालित होने का दावा किया जा रहा है, वहां तत्काल मरम्मत कार्य शुरू करना शामिल है।

आरोप और इस्तीफे को लेकर बढ़ते हुए विवाद के बीच मनन मिश्रा का रिएक्शन, सभी बातों को बताया 'बकवास'

थिंक राजस्थान

नई दिल्ली। बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) में विवाद लगातार बढ़ रहा है। बीसीआई के सह अध्यक्ष वाय आर सदाशिव रेड्डी ने अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। साथ ही रेड्डी ने मिश्रा पर 150 करोड़ रुपए का गबन करने का भी आरोप लगाया है और इस्तीफे की मांग की है।

इसके बाद मनन मिश्रा ने भी रेड्डी पर निशाना साधा है। उन्होंने रेड्डी की सदस्यता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। मनन मिश्रा का कहना है कि रेड्डी अब कर्नाटक स्टेट बार काउंसिल के सदस्य नहीं हैं।

दोनों नेताओं के बीच यह विवाद बढ़ता जा रहा है और यह ऐसे वक्त हो रहा है जब बीसीआई अध्यक्ष पहले से ही NALSAR मामले को लेकर विरोध का सामना कर रहे हैं। मनन कुमार मिश्रा ने कहा है कि रेड्डी पहले बीसीआई के सदस्य और सह अध्यक्ष रह चुके हैं।

'महिलाएं देश की ताकत', राहुल गांधी बोले- महिलाओं की पहचान पिता, पति या बेटे से तय नहीं होनी चाहिए

थिंक राजस्थान

पुणे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को पुणे में आयोजित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में छात्राओं से संवाद किया। उन्होंने कहा कि भारत की सबसे बड़ी ताकत महिलाएं हैं और नारी शक्ति देश की शक्ति है। महिलाओं को पत्नी, बेटी और मां की भूमिका तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि उनकी अपनी स्वतंत्र पहचान होनी चाहिए। राहुल गांधी ने मनुस्मृति का संदर्भ देते हुए कहा कि महिलाओं को पिता, पति और बेटे पर निर्भर बताने वाली सोच गलत है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के इन रिश्तों का अपना महत्व है, लेकिन उनकी पहचान केवल इन रिश्तों से तय नहीं होनी चाहिए। उन्होंने छात्राओं से अपने विचार और अनुभव साझा करने के लिए कहा। कार्यक्रम में राहुल गांधी ने महिलाओं पर पुरुषों के नियंत्रण और पितृसत्तात्मक व्यवस्था को लेकर भी सवाल किए। एक छात्रा ने बताया कि महिलाओं से आज भी नौकरी के साथ घर के काम और परिवार की जिम्मेदारी निभाने की अपेक्षा की जाती है तथा संपत्ति में उनका हिस्सा मांगना कई बार एहसान की तरह देखा जाता है। महिलाओं की सुरक्षा पर राहुल गांधी ने हिंसा, अपमान और सामाजिक नियंत्रण जैसे मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि लड़कियों की आजादी और सुरक्षा को लेकर परिवार और समाज में अलग-अलग मानदंड नहीं होने चाहिए। कार्यक्रम में एक छात्रा ने अपने साथ हुई छेड़छाड़ का अनुभव भी साझा किया और बताया कि परिवार के विरोध के बावजूद उसके पिता ने पढ़ाई जारी रखने में उसका साथ दिया। राहुल गांधी ने छात्राओं से बातचीत के दौरान कहा कि महिलाओं को अपनी जिंदगी और करियर से जुड़े फैसले खुद लेने का अधिकार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज में महिलाओं की भूमिका को केवल परिवार और घरेलू जिम्मेदारियों तक सीमित करने की सोच में बदलाव जरूरी है। उनके अनुसार, महिलाओं की शिक्षा, रोजगार और सार्वजनिक जीवन में भागीदारी देश की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में महिलाओं पर पुरुषों के नियंत्रण और पितृसत्तात्मक व्यवस्था को लेकर भी चर्चा हुई। छात्राओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि कई जगह महिलाओं से नौकरी या पढ़ाई के साथ घर की जिम्मेदारियां निभाने की अपेक्षा की जाती है।

बंगाल की खाड़ी में डूबा कार्गो शिप, 24 मेंबर थे सवार, भारतीय नेवी ने शुरू किया रेस्क्यू ऑपरेशन

थिंक राजस्थान

भुवनेश्वर/पारादीप। ओडिशा के पारादीप तट से लगभग 240 समुद्री मील दूर बंगाल की खाड़ी में एक बड़ा समुद्री हादसा सामने आया है, जहाँ लौह अयस्क (Iron Ore) लेकर जा रहा एक मालवाहक जहाज समुद्र में डूब गया। पनामा के झंडे वाले इस व्यापारिक जहाज पर कुल 24 क्रू सदस्य सवार थे, जिनमें अधिकांश चीनी नागरिक बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, जहाज ओडिशा के बंदरगाह से लौह अयस्क का भार लेकर सिंगापुर के लिए रवाना हुआ था। शुक्रवार को प्रस्थान के बाद गहरे समुद्र में अचानक यह अनियंत्रित होकर डूब गया। जहाज के डूबने के सटीक तकनीकी कारणों की अभी पुष्टि नहीं हो सकी है। घटना की सूचना मिलते ही भारतीय तटरक्षक बल (Indian Coast Guard) और भारतीय नौसेना (Indian Navy) ने तत्काल संयुक्त राहत एवं बचाव अभियान (Search and Rescue Operation) शुरू कर दिया है। समुद्र में फंसे चालक दल के सदस्यों की तलाश के लिए विशेष नौसैनिक पोत और निगरानी विमान तैनात किए गए हैं। नौसेना और तटरक्षक बल के अधिकारी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है।

'1937 की परंपरा का पालन कर रही कांग्रेस', वंदे मातरम् के दो छंदों के गायन पर शशि थरूर का बड़ा बयान

थिंक राजस्थान

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने पार्टी के वंदे मातरम् के पहले दो छंद गायन पर लिए गए फैसले पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने 22 अगस्त (शनिवार) को तिरुवनंतपुरम में कहा कि पार्टी अपने कार्यक्रम में राष्ट्रगान का एक अंतरा और 'वंदे मातरम्' के दो पद लंबे समय से गाती आ रही है। वंदे मातरम् पर कांग्रेस के प्रस्ताव पर शशि थरूर ने कहा, मुझे लगता है कि स्थिति बहुत स्पष्ट है कि जब कांग्रेस पार्टी के कार्यों की बात आती है तो कांग्रेस मौजूदा प्रथा का पालन कर रही है। मुझे लगता है कि अगर कोई राष्ट्रीय या सरकारी समारोह है, तो हम सभी पूरी चीज के लिए खड़े होंगे। यह इस बात पर निर्भर करता है कि क्या बजाया जा रहा है। लेकिन हमारी पार्टी में, हमारी स्थिति यह है कि 1937 से, हम राष्ट्रगान का केवल एक छंद बजा रहे हैं और वंदे मातरम् के दो छंद और वही हमारी मौजूदा स्थिति रहेगी। वंदे मातरम् के रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय हैं। स्वतंत्रता आंदोलन में इनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उनका यह गाना भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में प्रेरणास्रोत का नारा बना था। स्वतंत्रता सेनानी फांसी के फंदे पर झूलते समय वंदे मातरम् का गान करते थे। बता दें, 1937 में कांग्रेस ने फैसला किया कि राष्ट्रीय कार्यक्रमों में वंदे मातरम के केवल पहले दो पद गाए जाएंगे। कांग्रेस उसी ऐतिहासिक परंपरा का पालन कर रही है। शशि थरूर ने कहा कि कांग्रेस का मौजूदा फैसला किसी नए नियम की शुरुआत नहीं है, बल्कि पार्टी लंबे समय से चली आ रही परंपरा का ही पालन कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस के आंतरिक कार्यक्रमों में वंदे मातरम् के पहले दो पद गाने की व्यवस्था 1937 से चली आ रही है। ऐसे कार्यक्रमों में जो भी आधिकारिक रूप से निर्धारित होगा, उसके अनुसार सभी लोग पूरे सम्मान के साथ शामिल होंगे।

छात्रों के समर्थन में उतरे तेजस्वी यादव, सरकार को दी चेतावनी, कहा- युवाओं की बात नहीं सुनी तो 25 को होगा महाआंदोलन

थिंक राजस्थान

पटना। लालू प्रसाद यादव के छोटे बेटे और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव शनिवार (22 अगस्त) को बिहार की राजधानी पटना पहुंचे। इस दौरान वह अभ्यर्थियों द्वारा गर्दनीबाग में किए जा रहे प्रदर्शन में शामिल हुए। उन्होंने अनशन पर बैठे छात्र नेताओं से मुलाकात की। इसके बाद तेजस्वी ने कहा कि 25 तारीख को होने वाले आंदोलन को हम समर्थन देंगे। तेजस्वी यादव ने कहा कि अभ्यर्थी व्यवस्था बहाली की मांग को लेकर सड़क पर उतरे हैं। उन्होंने कहा, 'इनके साथ हम लोग हैं और 25 तारीख को भी जो प्रोटेस्ट होने वाला है, उसमें भी हमारे दल का समर्थन उनको मिलेगा।' तेजस्वी ने कहा छात्रों की यही मांग है कि राज्य में पेपर लीक न हो, युवाओं को नौकरी मिले और समय पर परीक्षाएं कराई जाएं वह पारदर्शी हो, किसी तरह की कोई धांधली न हो। तेजस्वी ने कहा कि छात्रों की सभी मांगें जायज हैं। उन्होंने कहा, 'बल्कि हमने कल भी यह कहा था कि यह मांग उनको मांगने की जरूरत भी नहीं थी, बल्कि सरकार को उसको पूरा करना चाहिए था।' जब सरकार नहीं सुनती तो छात्रों के पास सड़क पर उतरने के सिवाय कोई रास्ता नहीं बचता। तेजस्वी यादव ने प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं और मांगों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता और समयबद्धता युवाओं के भविष्य से सीधे जुड़ी हुई है। यदि परीक्षाओं में बार-बार अनियमितता या पेपर लीक की घटनाएं होती हैं तो इससे मेहनत करने वाले लाखों अभ्यर्थियों का भरोसा व्यवस्था से उठता है। उन्होंने कहा कि युवाओं को नौकरी के लिए वर्षों तक तैयारी करनी पड़ती है, ऐसे में परीक्षा की प्रक्रिया निष्पक्ष और भरोसेमंद होना जरूरी है। तेजस्वी ने सरकार से अभ्यर्थियों की मांगों पर गंभीरता से विचार करने और बातचीत के जरिए समाधान निकालने की अपील की।

तेजस्वी यादव ने कहा कि अभ्यर्थियों की ओर से 25 अगस्त को प्रस्तावित आंदोलन को आरजेडी का समर्थन मिलेगा। उन्होंने कहा कि छात्र अपने अधिकार और व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं और पार्टी उनके साथ खड़ी रहेगी। प्रदर्शन स्थल पर अनशन कर रहे छात्र नेताओं ने भी अपनी मांगों को लेकर तेजस्वी यादव से चर्चा की। अभ्यर्थियों की प्रमुख मांगों में पेपर लीक पर रोक, लंबित परीक्षाओं का समय पर आयोजन, भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और सरकारी नौकरियों में नियुक्तियां शामिल हैं। तेजस्वी ने कहा कि जब सरकार छात्रों की जायज मांगों पर ध्यान नहीं देती, तब युवाओं के सामने सड़क पर उतरकर अपनी आवाज उठाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता। उन्होंने कहा कि सरकार को प्रदर्शन की स्थिति बनने से पहले ही अभ्यर्थियों की समस्याओं का समाधान करना चाहिए था।

पंजाब की आप सरकार 341 करोड़ रुपए की लूट करने की तैयारी में है : अकाली दल

थिंक राजस्थान

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) ने शनिवार को कहा कि पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) सरकार चुनाव लड़ने के लिए लिए गए 25,000 करोड़ रुपए के ऋण पर कमीशन देने के बहाने सरकारी खजाने से 341 करोड़ रुपए की लूट करने की तैयारी में है। अकाली नेता एनके शर्मा ने इस पूरे मामले की स्वतंत्र जांच की मांग करते हुए कहा कि जब ऋण सरकारी गारंटी के तहत लिया गया है तो 341 करोड़ रुपए का कमीशन देने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने यहां मीडिया से कहा कि यह पूरा मामला भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी से भरा है और इसकी गहन जांच होनी चाहिए। उन्होंने इतनी बड़ी रकम का ऋण लेने के बावजूद कोई पूंजी निवेश योजना न बनाने के लिए राज्य सरकार की निंदा भी की। उन्होंने राज्य सरकार से अपने कार्यकाल के दौरान सभी 65,000 सरकारी कर्मचारियों की सूची जारी करने की मांग की।

संपादकीय

निकाय चुनाव से पहले सरदारशहर कांग्रेस की बैठक, भाजपा के वरिष्ठ पार्षद शोभाकांत स्वामी समेत कई कार्यकर्ता कांग्रेस में शामिल

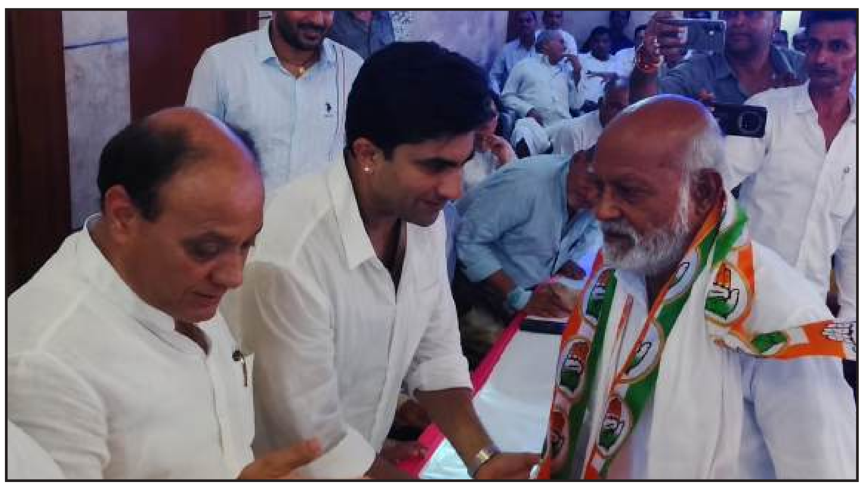

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सरदारशहर। आगामी नगर निकाय एवं पंचायतीराज चुनावों की तैयारियों को लेकर शनिवार को महात्मा ज्योतिबा फुले भवन में सरदारशहर कांग्रेस की संगठनात्मक बैठक आयोजित हुई। बैठक में चुनावी रणनीति, बूथ प्रबंधन, संगठन विस्तार और कार्यकर्ताओं की सक्रियता को लेकर मंथन किया गया। बैठक के दौरान भाजपा के वरिष्ठ पार्षद शोभाकांत स्वामी सहित कई भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। सरदारशहर विधायक अनिल शर्मा ने कांग्रेस का दुपट्टा पहनाकर नए कार्यकर्ताओं का स्वागत किया। कांग्रेस नेताओं ने इसे निकाय चुनाव से पहले पार्टी के लिए महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम बताया। बैठक में विधायक अनिल शर्मा, शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र राजवी, देहात ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष दुर्गाराम पारीक, निवर्तमान नगर परिषद उपसभापति अब्दुल रशीद चायल, मास्टर उमरदीन सैयद, राजेश पारीक सहित कांग्रेस पदाधिकारी, पार्षद और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक में प्रत्येक बूथ को मजबूत करने, मतदाताओं से लगातार संपर्क रखने, जनसमस्याओं को उठाने तथा युवाओं और महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया। सोशल मीडिया और जनसंपर्क अभियान के जरिए कांग्रेस की नीतियों को जनता तक पहुंचाने की रणनीति पर भी चर्चा हुई। विधायक अनिल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत हैं। आगामी चुनाव में एकजुटता और अनुशासन के साथ संगठन को मजबूत कर जनता के बीच पहुंचने की जरूरत है। बैठक में कार्यकर्ताओं को क्षेत्रवार जिम्मेदारियां सौंपने और चुनावी तैयारियों को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। बैठक में कांग्रेस नेताओं ने कहा कि आगामी निकाय एवं पंचायतीराज चुनाव संगठन के लिए महत्वपूर्ण हैं और इसके लिए अभी से बूथ स्तर तक तैयारियां मजबूत करनी होंगी। कार्यकर्ताओं से मतदाताओं के साथ लगातार संपर्क बनाए रखने और स्थानीय समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का आह्वान किया गया।

बैठक में प्रत्येक बूथ की स्थिति की समीक्षा कर संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियां तय करने और मतदाताओं तक पार्टी की नीतियां पहुंचाने पर चर्चा हुई। नेताओं ने कहा कि चुनावी सफलता के लिए बूथ स्तर पर मजबूत नेटवर्क और सक्रिय कार्यकर्ता जरूरी हैं।

युवाओं और महिलाओं को संगठन से जोड़ने के साथ सोशल मीडिया के माध्यम से कांग्रेस के कार्यक्रमों और नीतियों को जनता तक पहुंचाने की रणनीति पर भी मंथन किया गया। क्षेत्रवार जनसंपर्क अभियान चलाने और स्थानीय मुद्दों को चुनावी रणनीति का हिस्सा बनाने पर सहमति बनी। बैठक के दौरान भाजपा के वरिष्ठ पार्षद शोभाकांत स्वामी सहित कई भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की।

नगर निकाय आम चुनाव 2026 में गठित प्रकोष्ठों की तैयारियों की हुई समीक्षा

एजेंसी, थिंक राजस्थान

धौलपुर। नगर निकाय चुनाव-2026 के तहत उप जिला निर्वाचन अधिकारी हरिराम मीना की अध्यक्षता में शनिवार को प्रकोष्ठों के सफल एवं सुचारू संचालन को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित प्रकोष्ठ में नियुक्त अधिकारियों एवं कार्मिकों को उनके कार्य एवं दायित्वों की जानकारी दी गई। रिटर्निंग अधिकारी की हैंडबुक में दिए गए नियमों एवं दिशा-निर्देशों तथा राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों एवं प्रपत्रों की पालना करते हुए निर्वाचन संबंधी कार्रवाई करना एवं करवाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये। उन्होंने कहा कि निर्वाचन अत्यंत महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील कार्य है। अतः सभी अधिकारी एवं कार्मिक अपने-अपने दायित्वों का गंभीरता, तत्परता एवं समयबद्धता के साथ निर्वहन सुनिश्चित करें। निर्वाचन कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए तथा राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों एवं आदेशों की पूर्ण पालना सुनिश्चित की जाए। बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद श्रेष्ठा श्री, रिटर्निंग अधिकारी धौलपुर सुरेन्द्र प्रसाद, सहित प्रकोष्ठ प्रभारी कार्मिक उपस्थित रहे। हरिराम मीना ने कहा कि निर्वाचन कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील जिम्मेदारी है।

ऑपरेशन रूट क्लीयरेंस : कोटा ग्रामीण में तस्करी के रूट पर पुलिस का बड़ा प्रहार

एजेंसी, थिंक राजस्थान

कोटा। अवैध मादक पदार्थों और शराब की तस्करी के खिलाफ कोटा ग्रामीण पुलिस का 'ऑपरेशन रूट क्लीयरेंस' लगातार प्रभावी कार्रवाई कर रहा है। पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर के नेतृत्व में चलाए जा रहे इस विशेष अभियान के तहत राष्ट्रीय राजमार्गों, एट-लेन एक्सप्रेसवे और जिले से गुजरने वाले अन्य प्रमुख मार्गों पर निगरानी और सघन चेकिंग के जरिए तस्करी के नेटवर्क पर शिकंजा कसा जा रहा है। वर्ष 2026 में अब तक पुलिस ने 474 कार्रवाइयों में 5,590 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ, 18,304 लीटर अवैध अंग्रेजी व देशी शराब, 49.43 किलोग्राम अवैध चांदी और 2 करोड़ 24 लाख रुपये नकद बरामद किए हैं। अभियान के दौरान तस्करी में प्रयुक्त 97 वाहनों को जब्त किया गया है तथा 215 तस्करों एवं आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जब्त की गई अवैध सामग्री की अनुमानित कीमत 15 करोड़ रुपये से अधिक है।

जयपुर में AIAPGET परीक्षा शुरू होने के 20 मिनट में ही बिजली गुल, स्टूडेंट्स का हंगामा

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) द्वारा आयोजित अखिल भारतीय आयुर्वेद स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा (AIAPGET) के दौरान राजधानी जयपुर के परीक्षा केंद्र पर घोर अव्यवस्था और तकनीकी लापरवाही का मामला सामने आया है। ट्रांसपोर्ट नगर स्थित श्री सत्य साईं पीजी कॉलेज फॉर वूमेन में शनिवार सुबह 10 से 12 बजे की प्रथम शिफ्ट के दौरान परीक्षा शुरू होने के महज 20 मिनट बाद (करीब 10:20 बजे) शॉर्ट सर्किट की वजह से बिजली गुल हो गई, जिससे कई अभ्यर्थियों के कंप्यूटर अचानक बंद पड़ गए। कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट (CBT) होने के कारण अभ्यर्थी बेबस होकर बैठ गए और केंद्र पर पावर बैकअप की उचित व्यवस्था न होने से आक्रोश भड़क उठा।

अभ्यर्थी डॉ. सुधा शर्मा व अन्य छात्राओं ने गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि बिजली की अनिश्चित आपूर्ति के बीच जहां आधे कंप्यूटर बंद थे, वहीं कुछ सिस्टम चालू थे। चालू सिस्टम वाले अभ्यर्थियों ने खुलेआम आपस में बातचीत कर नकल की और यह सब परीक्षा केंद्र के पर्यवेक्षक (ऑब्जर्वर) के सामने होता रहा, लेकिन कोई ठोस हस्तक्षेप नहीं किया गया।

रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण में बालिकाएं सीख रही आत्मरक्षा के गुर

एजेंसी, थिंक राजस्थान

लालसोट। राजेश पायलट राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लालसोट में रानी लक्ष्मीबाई केंद्र के तत्वावधान में आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम नियमित रूप से संचालित किया जा रहा है। प्रशिक्षण का उद्देश्य छात्राओं एवं महिलाओं को आत्मरक्षा के प्रति जागरूक, सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनाना है। प्रशिक्षक सतीश बाई गुर्जर द्वारा छात्राओं को आत्मरक्षा की विभिन्न व्यावहारिक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके साथ ही साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन सतर्कता एवं राजकोप एप के संबंध में भी आवश्यक जानकारी दी जा रही है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर सुभाष पहाड़िया ने बताया कि महिला आत्मरक्षा प्रशिक्षण का उद्देश्य छात्राओं एवं महिलाओं को मानसिक और शारीरिक रूप से सुदृढ़ बनाना तथा किसी भी खतरे की स्थिति में सुरक्षित तरीके से बाहर निकलने के लिए सक्षम करना है। नियमित आत्मरक्षा प्रशिक्षण से छात्राओं में आत्मविश्वास और सुरक्षा-बोध बढ़ता है।

तेज रफ्तार SUV की टक्कर से स्कूटी सवार वृद्ध की मौत, 50 मीटर तक घसीटता गया

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। मालवीय नगर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार एसयूवी ने स्कूटी सवार 62 वर्षीय वृद्ध को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वृद्ध उछलकर सड़क पर जा गिरा और करीब 50 मीटर तक घिसटता चला गया। हादसे में गंभीर घायल वृद्ध ने एसएमएस अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मालवीय नगर थाना अधिकारी गौरव प्रधान के अनुसार हादसा शुक्रवार को सरस पुलिया के पास हुआ। टक्कर के बाद एसयूवी भी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे खंभे से जा टकराई और उसे तोड़ते हुए आगे निकल गई। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त एसयूवी को जब्त कर लिया है। मृतक की पहचान छाजू सिंह (62) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से दौसा का रहने वाला था और जयपुर में हॉस्टल में गार्ड के रूप में काम करता था। वर्तमान में झालाना डूंगरी क्षेत्र में रह रहा था। पुलिस के अनुसार वह सर्दी-जुकाम की दवा लेने स्कूटी से अस्पताल जा रहा था, तभी हादसा हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर एसयूवी के नंबर के आधार पर उसके मालिक और चालक की तलाश शुरू कर दी है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने घायल छाजू सिंह को सड़क से उठाकर उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। उनकी हालत गंभीर होने पर उन्हें एसएमएस अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार टक्कर के बाद एसयूवी की रफ्तार इतनी अधिक थी कि वह अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे खंभे से जा भिड़ी। टक्कर से खंभा क्षतिग्रस्त हो गया और वाहन चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और फरार चालक की तलाश जारी है।

राजस्थानी लोक संस्कृति और सावन के रंगों में रंगा कैंपस

एजेंसी, थिंक राजस्थान

झुंझुनूं। श्री जगदीशप्रसाद झाबरमल टीबड़ेवाला विश्वविद्यालय (JJTU) के कल्चरल सेल द्वारा सावन माह की परंपरा, उमंग और लोक संस्कृति को समर्पित विशेष महिला सांस्कृतिक महोत्सव 'शिवांश–श्रावणी बेला 2026' का आयोजन विश्वविद्यालय ऑडिटोरियम में धूमधाम से किया गया। इस उत्सव में विश्वविद्यालय की महिला संकाय सदस्यों, छात्राओं सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। पारंपरिक एवं एथनिक परिधानों में सजी प्रतिभागियों ने राजस्थानी लोक संस्कृति और भारतीय परंपराओं की मनमोहक छटा बिखेरी। ग्रामीण महिलाओं की सहभागिता ने कार्यक्रम को स्थानीय सांस्कृतिक विरासत से जीवंत रूप से जोड़ दिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एवं विश्वविद्यालय की निदेशक श्रीमती उमा विशाल टीबड़ेवाला रहीं।

UCC बिल के खिलाफ अल्पसंख्यक समुदाय का विरोध, धार्मिक स्वतंत्रता में दखल का आरोप

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में पेश किए गए समान नागरिक संहिता (UCC) विधेयक को लेकर अल्पसंख्यक समुदाय ने विरोध शुरू कर दिया है। शुक्रवार को मुस्लिम संगठनों ने जयपुर में प्रदर्शन किया, वहीं प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात कर मामले में हस्तक्षेप की मांग की। जमाते इस्लामी हिंद के प्रदेशाध्यक्ष मोहम्मद नाजिम ने आरोप लगाया कि UCC के जरिए धार्मिक स्वतंत्रता और संविधान के अनुच्छेद 25 व 26 में मिले अधिकारों का हनन होगा। उन्होंने कहा कि अलग-अलग समुदायों की अपनी धार्मिक परंपराएं और व्यक्तिगत कानून हैं। उन्होंने विधेयक के खिलाफ प्रदेशभर में आंदोलन और जिला स्तर पर ज्ञापन देने की बात कही। बौद्ध समुदाय के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. नरेंद्र बौद्ध ने भी विधेयक का विरोध करते हुए इसे अल्पसंख्यकों के हितों के खिलाफ बताया।

वहीं राजस्थान अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष सरदार जसबीर सिंह ने कहा कि विधेयक का ड्राफ्ट देखने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी और उम्मीद है कि इससे किसी समुदाय के साथ भेदभाव नहीं होगा। कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष एमडी चौपदार और विधायक रफीक खान ने भी UCC का विरोध किया। रफीक खान ने आरोप लगाया कि सरकार धार्मिक ध्रुवीकरण के लिए यह कानून लाई है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय को विधेयक से बाहर रखा गया है, जबकि अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की धार्मिक मान्यताओं को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। इस बीच पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मिले प्रतिनिधिमंडल ने UCC के साथ सीमावर्ती जिलों में धार्मिक स्थलों से जुड़े मामलों को लेकर भी हस्तक्षेप की मांग की। गहलोत ने सदन और सदन के बाहर इन मुद्दों को उठाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि संगठन की ओर से प्रदेश के अलग-अलग जिलों में लोगों को इस मुद्दे की जानकारी दी जाएगी और जिला स्तर पर प्रशासन को ज्ञापन सौंपे जाएंगे। जरूरत पड़ने पर प्रदेशभर में आंदोलन भी किया जाएगा।

यूसीसी पर राजस्थान सरकार का कदम स्वागतयोग्य, भाजपा स्थानीय निकाय चुनाव को लेकर तैयार

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर राजस्थान सरकार के कदम का स्वागत किया और विकास, शिक्षा तथा आगामी निकाय चुनावों के लिए भाजपा की तैयारियों पर बात की। राजस्थान राज्य वित्त आयोग के चेयरमैन अरुण चतुर्वेदी ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान कहा कि जनसंघ के समय से ही भाजपा की मांग थी जो तीन विषयों को लेकर हम चुनाव में उतरे। उनमें से एक समान नागरिक संहिता (यूसीसी) है। देश के कई राज्यों ने यूसीसी का कानून लागू किया है। राजस्थान ने भी इस मामले को लेकर कदम आगे बढ़ाया है। मैं राज्य सरकार के फैसले का स्वागत करता हूं। उन्होंने आगे कहा कि आजादी के कालखंड में संविधान बना और सबने इसको मानने का काम किया। अलग-अलग धर्म, परिस्थिति के आधार पर सभी के कानून अलग थे। इसे देखते हुए अनुभव किया जा रहा था कि सबके लिए समान नागरिक कानून बनना चाहिए। इसकी आवश्यकता को तुष्टीकरण की राजनीतिक कारणों से कांग्रेस सहित अन्य दलों की सरकारों ने स्वीकार नहीं किया। भाजपा के पुराने एजेंडे और संविधान की आत्मा को संभालने का काम किया। वित्त आयोग के चेयरमैन अरुण चतुर्वेदी कहते हैं, 'कानून अपना काम करेगा। सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य के साथ-साथ हर दूसरे क्षेत्र में लगातार काम कर रही है। कमियां सबके सामने हैं और सरकार उन्हें दूर करने के लिए काम कर रही है।' उन्होंने कहा, '2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने सबसे पहला काम हर घर में शौचालय उपलब्ध कराने का कार्य शुरू किया। एक बात साफ है, 2014 तक हम अपने घरों में शौचालय नहीं बनवा पाए थे। हमारी माताओं और बहनों को खुले में शौच के लिए मजबूर होना पड़ता था। आजादी के 75 सालों में हम ऐसा नहीं कर पाए थे, लेकिन उन्होंने हर घर तक पानी पहुंचाने का काम किया।'

इथेनॉल नीति पर गहलोत का मोदी सरकार पर हमला, बोले- बिना तैयारी के फैसले का खामियाजा भुगत रही जनता

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण की नीति को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। गहलोत ने आरोप लगाया कि सरकार ने पर्याप्त तैयारी और दूरगामी प्रभावों का आकलन किए बिना इथेनॉल मिश्रण बढ़ाया, जिसका असर अब आम जनता पर पड़ रहा है। गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर कहा कि इथेनॉल उत्पादन के लिए गन्ने का बड़ा हिस्सा चीनी के बजाय इस्तेमाल होने से बाजार में चीनी की उपलब्धता प्रभावित हुई है। उन्होंने दावा किया कि महज 15 दिनों में चीनी के दाम 14 से 17 रुपए प्रति किलो तक बढ़ गए। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वैकल्पिक ऊर्जा को बढ़ावा देना गलत नहीं है, लेकिन खाद्य सुरक्षा और आम उपभोक्ता के हितों की अनदेखी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने यह भी दावा किया कि इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के इस्तेमाल से वाहनों की माइलेज कम होने की शिकायतें सामने आ रही हैं और पुराने वाहनों को लेकर भी सरकार को पर्याप्त तैयारी करनी चाहिए थी। गहलोत ने आरोप लगाया कि इथेनॉल नीति का लाभ कुछ उद्योगपतियों को पहुंचाने के लिए आम जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। उन्होंने सरकार से चीनी की कीमतों, वाहन माइलेज और उपभोक्ताओं पर पड़ रहे प्रभाव को देखते हुए नीति में आवश्यक कदम उठाने की मांग की। गहलोत ने कहा कि वैकल्पिक ऊर्जा के स्रोतों को बढ़ावा देना देश की जरूरत है, लेकिन इसके लिए ऐसी नीति बनाई जानी चाहिए जिसमें किसानों, उपभोक्ताओं और उद्योगों के हितों के बीच संतुलन बना रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि इथेनॉल मिश्रण बढ़ाने से पहले चीनी की घरेलू जरूरत, उत्पादन और बाजार में उपलब्धता का पर्याप्त आकलन नहीं किया गया। पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि गन्ने का एक बड़ा हिस्सा चीनी उत्पादन के बजाय इथेनॉल बनाने में इस्तेमाल होने से बाजार में चीनी की उपलब्धता प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि इसका सीधा असर उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है और कम समय में चीनी की कीमतों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखने को मिली है।

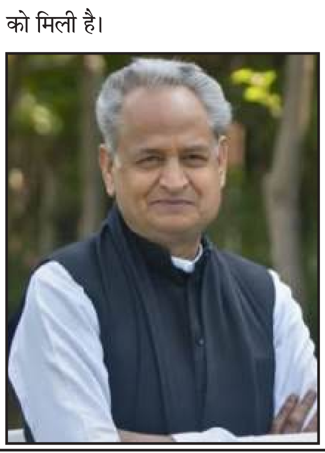

राजस्थान/ प्रादेशिक

सीकर की बेटी पूनम कंवर ने माउंट एल्ब्रुस पर फहराया तिरंगा, तीन महाद्वीपों की चोटियां फतह

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सीकर। झाड़ली गांव की बेटी और RPF जवान पूनम कंवर ने यूरोप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एल्ब्रुस को फतह कर तिरंगा और RPF का ध्वज फहराया। पूनम ने 21 अगस्त को भारतीय समयानुसार सुबह 11:45 बजे 5,642 मीटर ऊंची चोटी पर यह उपलब्धि हासिल की। उनका अभियान 10 अगस्त को नई दिल्ली से शुरू हुआ था और 11 दिन बाद उन्होंने सफलता हासिल की। पूनम इससे पहले अफ्रीका की माउंट किलीमंजारो और ऑस्ट्रेलिया की माउंट कोजियोस्को पर भी तिरंगा फहरा चुकी हैं। वर्ष 2024 में किलीमंजारो और 2025 में कोजियोस्को फतह करने के बाद अब उन्होंने तीन महाद्वीपों की सर्वोच्च चोटियां जीतने का गौरव हासिल किया है। पूनम का लक्ष्य सातों महाद्वीपों की सर्वोच्च चोटियों को फतह करना और दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर तिरंगा फहराना है। RPSF में वर्ष 2014 में भर्ती होने वाली पूनम ने NCC से पर्वतारोहण का सफर शुरू किया। उन्होंने कमांडो ट्रेनिंग के साथ तीरंदाजी और घुड़सवारी का प्रशिक्षण भी लिया है। वर्तमान में पूनम 16वीं वाहिनी RPSF, जयपुर में तैनात हैं। उनका कहना है कि पर्वतारोहण के जरिए वे महिलाओं को यह संदेश देना चाहती हैं कि वे किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। पूनम कंवर की इस उपलब्धि पर उनके गांव झाड़ली सहित परिवार और परिचितों में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों और परिजनों ने उनकी सफलता पर बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने अपने साहस, मेहनत और दृढ़ संकल्प से क्षेत्र का नाम रोशन किया है। RPF में रहते हुए पर्वतारोहण के क्षेत्र में लगातार उपलब्धियां हासिल करना उनके लिए भी गौरव की बात है। पूनम ने अब तक तीन महाद्वीपों की सर्वोच्च चोटियों पर तिरंगा फहरा दिया है। उन्होंने 2024 में अफ्रीका की माउंट किलीमंजारो, 2025 में ऑस्ट्रेलिया की माउंट कोजियोस्को और अब यूरोप की माउंट एल्ब्रुस को फतह किया है। हर अभियान में उन्होंने तिरंगे के साथ RPF का ध्वज भी फहराया। माउंट एल्ब्रुस अभियान के दौरान उन्हें ऊंचाई, कम तापमान और कठिन पर्वतीय परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद उन्होंने निर्धारित लक्ष्य को पूरा किया और 21 अगस्त को चोटी पर पहुंचकर देश का तिरंगा फहराया। इसके लिए वह आने वाले अभियानों की तैयारी में जुटी हैं।

नगर निकाय चुनावों को लेकर विधायक डॉ. सुभाष गर्ग ने कार्यकर्ताओं से की राय शुमारी

एजेंसी, थिंक राजस्थान

भरतपुर। पूर्व मंत्री और भरतपुर विधायक डॉ. सुभाष गर्ग शनिवार को दो दिवसीय दौरे पर भरतपुर पहुंचे। भरतपुर पहुंचने पर रणजीत नगर कार्यालय पर कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। डॉ. गर्ग ने नगर निकाय चुनावों को लेकर संभावित प्रत्याशियों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। बैठक में विधायक डॉ. गर्ग ने कार्यकर्ताओं को नगर निकाय चुनावों में जीत का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि नगर निगम चुनाव प्रतिष्ठा का चुनाव है, इसलिए सभी कार्यकर्ताओं को अभी से एकजुट होकर जुट जाना होगा। डॉ. गर्ग ने कार्यकर्ताओं से अपने-अपने क्षेत्रों में योग्य, कर्मठ और पार्टी के प्रति समर्पित उम्मीदवारों की पहचान करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि उम्मीदवार ऐसा होना चाहिए जिसकी छवि साफ हो और जो जनता के बीच रहता हो। पार्टी से जुड़े प्रत्याशियों की जीत दर्ज कराने के लिए सभी को आपसी मतभेद भुलाकर एकजुटता के साथ काम करना होगा। वार्डों में पानी, बिजली, सफाई और सड़क जैसी मूलभूत समस्याओं को लेकर लोगों ने विधायक को अवगत कराया।

फील्ड ऑफिसर सहित कई पदों पर वैकेंसी, 24 अगस्त को वॉक-इन इंटरव्यू

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। नौकरी की तलाश में जुटे लोगों के हाथ से एक सुनहरा मौका निकलने वाला है। दरअसल, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च - नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ रिसर्च (आईसीएमआर-एनआईएचआर) ने जोधपुर में 'एडीओपीटी' (भारत में हेल्थ टेक्नोलॉजी असेसमेंट (एचटीएइन) के प्रसार और ऑपरेशनल प्रमोशन में तेजी लाना) के तहत प्रोजेक्ट ह्यूमन रिसोर्स पदों के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन एक आधिकारिक अधिसूचना जारी करके आमंत्रित किए थे। आवेदकों की अधिकतम आयु पोस्ट के अनुसार 35 से 50 वर्ष के बीच तय की गई है, जिसकी गणना वॉक-इन इंटरव्यू की तिथि के हिसाब से की जाएगी।

DST टीम की गाड़ी को बदमाशों ने मारी टक्कर, कॉन्स्टेबल का हाथ फ्रैक्चर

एजेंसी, थिंक राजस्थान

जोधपुर। करवड़ थाना क्षेत्र में बदमाशों को पकड़ने गई जिला विशेष टीम (DST) की गाड़ी को आरोपियों ने टक्कर मार दी। शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजे हुई घटना में DST टीम के एक कॉन्स्टेबल का हाथ फ्रैक्चर हो गया, जबकि एएसआई समेत तीन अन्य पुलिसकर्मियों को भी चोटें आईं। पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों को डिटेन कर लिया है, जबकि तीन अन्य की तलाश जारी है। जानकारी के अनुसार ओसियां थाना पुलिस से DST टीम को सूचना मिली थी कि कुछ आरोपी बोलेरो लेकर ओसियां-भवाद फाटक पर खड़े हैं। सूचना मिलते ही एएसआई श्रवण कुमार के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुंची। पुलिस टीम को देखते ही बोलेरो सवार आरोपियों ने वाहन भगाना शुरू कर दिया। DST टीम ने उनका पीछा किया तो आरोपियों ने बचने के लिए पुलिस की गाड़ी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों वाहनों के टायर बस्ट हो गए। इसके बावजूद पुलिस टीम ने आरोपियों का पीछा जारी रखा। कुछ दूरी तक पीछा करने के बाद आरोपियों ने वाहन रास्ते में छोड़ दिया और खेतों की ओर भाग गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया।

राजस्थान में स्कूलों की जर्जर हालत पर भड़के आशुतोष रांका

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान में सरकारी स्कूलों की स्थिति को लेकर विवाद तेज होता जा रहा है।

सीजेपी नेता आशुतोष रांका ने राज्य सरकार पर स्कूलों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने कहा कि स्कूलों की बदहाली के खिलाफ शुरू किया गया अभियान अब और तेज किया जाएगा और जरूरत पड़ी तो जयपुर में बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा। आशुतोष रांका ने आईएएनएस से बातचीत में हाल में हुए घटनाक्रम को लेकर पुलिस कार्रवाई पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि उनके पास घटना से जुड़े कथित तौर पर कई अनएडिटेड वीडियो मौजूद हैं, जिन्हें सोशल मीडिया पर सार्वजनिक किया जा चुका है। रांका ने कहा कि पिछले दिन हुई घटना से संबंधित वीडियो उनके पास मौजूद हैं और उन्हें एक्स, इंस्टाग्राम सहित विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किया जा चुका है।

जयपुर में रॉन्ग साइड वाहन चालकों के खिलाफ जयपुर पुलिस का विशेष अभियान : दो दिन में कटे 7,134 चालान

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। शहर में रॉन्ग साइड वाहन चलाने वालों के खिलाफ जयपुर यातायात पुलिस ने दो दिवसीय विशेष अभियान चलाकर 544 चालान किए। पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त यातायात एवं प्रशासन प्रदीप मोहन शर्मा के निर्देशन तथा पुलिस उपायुक्त यातायात योगेश गोयल के नेतृत्व में 20 और 21 अगस्त को जयपुर के पूर्व, दक्षिण, पश्चिम और उत्तर जोन में विशेष टीमें तैनात कर कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान 20 अगस्त को रॉन्ग साइड के 283 तथा 21 अगस्त को 261 चालान किए गए। इस तरह दो दिनों में रॉन्ग साइड वाहन चलाने वाले कुल 544 वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार 20 और 21 अगस्त को यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 7,134 वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई। इनमें विओसी ऐप से फोटो खींचकर 798, पीओएस मशीन से 2,633, आईटीएमएस ऑनलाइन चालान से 1,135 तथा इंटरसेप्टर/स्पीड गन के माध्यम से 2,568 चालान शामिल हैं। कुल कार्रवाई में रॉन्ग साइड के 544 चालान भी शामिल हैं। यातायात पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वाहन रॉन्ग साइड में नहीं चलाएं, क्योंकि यह गंभीर यातायात उल्लंघन है और इससे घातक सड़क दुर्घटनाएं हो सकती हैं। पुलिस उपायुक्त यातायात योगेश गोयल ने नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील करते हुए कहा कि सही दिशा में चलें और सुरक्षित घर लौटें।

बीकानेर रोड पर जलभराव से परेशान व्यापारियों का बड़ा ऐलान, दो दिन बाजार बंद के बाद अनिश्चितकालीन धरना

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सरदारशहर। बीकानेर रोड पर लंबे समय से बनी जलभराव की समस्या से परेशान व्यापारियों का आक्रोश अब खुलकर सामने आ गया है। बार-बार शिकायत के बावजूद स्थायी समाधान नहीं होने से बीकानेर रोड एसोसिएशन ने शनिवार और रविवार को संपूर्ण बाजार बंद रखने का निर्णय लिया है। व्यापारियों का कहना है कि बारिश के बाद सड़क पर गंदा पानी जमा होने से दुकानदारों के साथ आमजन और राहगीरों को भी परेशानी होती है। जलभराव के कारण ग्राहकों का दुकानों तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है, जिससे व्यापार प्रभावित हो रहा है। बीकानेर रोड एसोसिएशन के अध्यक्ष मांगीलाल पूनिया और सचिव नरेंद्र शर्मा ने बताया कि दो दिवसीय बाजार बंद के बाद भी प्रशासन ने समस्या का समाधान नहीं किया तो व्यापारी सड़क किनारे टेंट लगाकर अनिश्चितकालीन धरना शुरू करेंगे। उन्होंने कहा कि जलनिकासी व्यवस्था दुरुस्त होने और समस्या का स्थायी समाधान होने के बाद ही धरना समाप्त किया जाएगा। व्यापारियों ने प्रशासन से बीकानेर रोड की जलनिकासी व्यवस्था को तत्काल सुधारने और वर्षों पुरानी जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की है। व्यापारियों के अनुसार जलभराव के कारण दुकानों तक पहुंचने वाले रास्ते बाधित हो जाते हैं। ग्राहक भी पानी और कीचड़ के कारण बाजार में आने से बचते हैं। इससे दुकानदारों के कारोबार पर सीधा असर पड़ रहा है। वहीं, राहगीरों और वाहन चालकों को भी जमा पानी के बीच से गुजरना पड़ता है। एसोसिएशन पदाधिकारियों ने बताया कि समस्या को लेकर कई बार संबंधित विभाग और प्रशासन को शिकायतें दी जा चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकला। उनका आरोप है कि हर बार अस्थायी स्तर पर पानी निकासी की व्यवस्था की जाती है, लेकिन बारिश के बाद स्थिति फिर जस की तस हो जाती है। बीकानेर रोड एसोसिएशन ने प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के लिए शनिवार और रविवार को संपूर्ण बाजार बंद रखने का निर्णय लिया है। व्यापारियों का कहना है कि यह कदम मजबूरी में उठाया जा रहा है, ताकि लंबे समय से चली आ रही समस्या का स्थायी समाधान कराया जा सके।

कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय में डिजिटल मार्केटिंग पर कार्यशाला

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय, जयपुर के कॅरियर गाइडेंस, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेंटर की ओर से शनिवार, 22 अगस्त 2026 को आईटीएम (ITM) मुंबई के सहयोग से एक दिवसीय विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। "डिजिटल मार्केटिंग- मास्टरिंग कैरोसेल ऐड्स फॉर मैक्सिमम रीच" विषय पर आयोजित इस सत्र का उद्देश्य छात्राओं को आधुनिक डिजिटल मार्केटिंग और सोशल मीडिया टूल्स के व्यावहारिक ज्ञान से सशक्त बनाना था।

कार्यशाला की मुख्य वक्ता आईटीएम मुंबई के मार्केटिंग विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. जागृति गिजारे रहीं। उन्होंने छात्राओं को डिजिटल परिदृश्य में तेजी से आ रहे बदलावों और सोशल मीडिया के व्यावसायिक उपयोग की बारीकियों से अवगत कराया।

शिक्षकों की कमी पर ग्रामीणों ने डगडगा स्कूल में जड़ा ताला, विभाग ने लगाए दो शिक्षक

एजेंसी, थिंक राजस्थान

अलवर। रेणी ब्लॉक के डगडगा स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में शिक्षकों की कमी से नाराज ग्रामीणों ने शनिवार को स्कूल के गेट पर ताला जड़ दिया। ग्रामीणों का आरोप था कि साइंस और मैथ्स जैसे प्रमुख विषयों के शिक्षक नहीं होने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। सूचना मिलने पर रेणी सीबीईओ राजेंद्र मीणा मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से समझाइश की। करीब डेढ़ घंटे बाद स्कूल का ताला खोला गया। शिक्षा विभाग ने तत्काल पास के स्कूल से दो शिक्षकों की नियुक्ति कर दी, जिसके बाद विद्यालय में पढ़ाई सुचारू हुई। सीबीईओ के अनुसार स्कूल में व्याख्याता और सेकंड ग्रेड शिक्षकों की कमी थी। ग्रामीण पहले भी इस समस्या से विभाग को अवगत करा चुके थे। शिक्षकों की कमी दूर करने के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने आंदोलन समाप्त किया। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ग्रामीणों का कहना था कि विद्यालय में शिक्षकों की कमी के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई लगातार प्रभावित हो रही थी। खासतौर पर विज्ञान और गणित जैसे महत्वपूर्ण विषयों के शिक्षक नहीं होने से विद्यार्थियों की पढ़ाई का नुकसान हो रहा था। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि वे पहले भी शिक्षा विभाग के अधिकारियों को समस्या से अवगत करा चुके थे, लेकिन समय रहते समाधान नहीं किया गया। शिक्षकों की कमी से नाराज ग्रामीण शनिवार को विद्यालय पहुंचे और मुख्य गेट पर ताला लगा दिया। सूचना मिलने पर रेणी सीबीईओ राजेंद्र मीणा मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और जल्द शिक्षकों की व्यवस्था करने का भरोसा दिलाया। करीब डेढ़ घंटे तक चले घटनाक्रम के बाद ग्रामीणों ने स्कूल का ताला खोल दिया। शिक्षा विभाग ने तत्काल पास के विद्यालय से दो शिक्षकों की व्यवस्था कर दी, जिसके बाद स्कूल में शिक्षण कार्य दोबारा शुरू हो गया। सीबीईओ के अनुसार विद्यालय में व्याख्याता और सेकंड ग्रेड शिक्षकों के पदों पर कमी थी।

हाईकोर्ट में सहमति के बाद कार्यवाहक कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत का इस्तीफा, प्रो. मंजु मांडोत संभालेंगी पदभार

एजेंसी, थिंक राजस्थान

उदयपुर। जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) में जारी प्रशासनिक गतिरोध हाईकोर्ट में दोनों पक्षों के बीच बनी सहमति के बाद समाप्त हो गया है। कार्यवाहक कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है, जिसके बाद प्रो. मंजु मांडोत के नए कुलपति के रूप में कार्यभार संभालने का रास्ता साफ हो गया है। उल्लेखनीय है कि राजस्थान विद्यापीठ के कुलाधिपति भंवर लाल गुर्जर ने 14 अगस्त को आदेश जारी कर प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत को कार्यवाहक कुलपति पद से पदमुक्त कर दिया था। इस आदेश के खिलाफ प्रो. सारंगदेवोत ने जोधपुर उच्च न्यायालय (High Court) में याचिका दायर की थी। मामले पर 20 और 21 अगस्त को अदालत में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान यूजीसी (UGC) के दिशा-निर्देशों, संस्था के नियमों और अन्य साक्ष्यों को अदालत के समक्ष रखा गया। विद्यार्थियों की पढ़ाई और संस्था के व्यापक हितों को प्राथमिकता देते हुए दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से विवाद का निपटारा करने का निर्णय लिया। तय सहमति के तहत प्रो. सारंगदेवोत ने 21 अगस्त को न्यायालय के समक्ष इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से अपना इस्तीफा प्रस्तुत किया। यह त्यागपत्र 15 अगस्त 2026 से प्रभावी माना गया है, जबकि प्रो. मंजु मांडोत का कुलपति पद पर कार्यभार ग्रहण 16 अगस्त 2026 से प्रभावी होगा।

दोनों पक्षों की सहमति दर्ज कर अदालत ने याचिका का निस्तारण कर दिया। मामले के निस्तारण के बाद जोधपुर से उदयपुर पहुंचे कुलाधिपति भंवर लाल गुर्जर का विद्यापीठ के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने माल्यार्पण व साफा-उपरणा पहनाकर भव्य स्वागत किया। इस मौके पर कुलाधिपति गुर्जर ने कहा कि यह जीत संस्था के समर्पित कार्यकर्ताओं की निष्ठा और ईमानदारी की जीत है। नवनियुक्त कुलपति प्रो. मंजु मांडोत ने कहा कि विद्यापीठ कार्यकर्ताओं के त्याग और समर्पण से बनी संस्था है और इसकी साख व गरिमा को और मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा से प्रयास किए जाएंगे। इस दौरान रजिस्ट्रार डॉ. तरुण श्रीमाली, डॉ. शैलेंद्र मेहता, डॉ. प्रकाश धाकड़, डॉ. हीना खान, डॉ. मीता चौधरी, प्रवीण गुर्जर, डॉ. मुर्तजा, डॉ. मनीष श्रीमाली, डॉ. चंद्रेश छतलानी, डॉ. दिलीप सिंह चौहान, डॉ. आशीष नंदवाना, उमराव सिंह राणावत सहित विश्वविद्यालय के कई वरिष्ठ प्रोफेसर और पदाधिकारी मौजूद रहे।

नगरीय निकाय आम चुनाव को पूर्ण निष्पक्षता, निर्भीकता व स्वतंत्रता से संपन्न कराएं-जिला निर्वाचन अधिकारी

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदत्त निर्देशों की अनुपालना में जयपुर जिले के नगरीय निकाय आम चुनाव 2026 को पूर्ण निष्पक्षता, निर्भीकता व स्वतंत्रता के साथ संपन्न कराने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी (म्यूनिस्पिल) संदेश नायक की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सभी वार्डो के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारीयों एवं संबंधित पुलिस अधिकारीयों के साथ बैठक हुई। जिला निर्वाचन अधिकारी नें कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जयपुर जिले की 1 नगर निगम, 2 नगर परिषद् सहित 19 नगरीय निकायों के कुल 690 वार्डों के चुनावों को पूर्ण निष्पक्षता, निर्भीकता व स्वतंत्रता के साथ संपन्न कराना हम सबका नैतिक कर्तव्य है।

इस दौरान पुलिस उपायुक्त पश्चिम प्रशांत किरण, उप जिला निर्वाचन अधिकारी मेघराज मीणा, अतिरिक्त जिला कलेक्टर चतुर्थ आशीष कुमार, अतिरिक्त जिला कलेक्टर जयपुर दक्षिण युगांतर शर्मा सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

मनोरंजन समाचार

डिंपी के ट्रांसफॉर्मेशन पर बोलीं हर्षिता गौर, 'अब इमोशनली समझदार और मेंटली स्ट्रॉन्ग हूं'

अभिनेत्री हर्षिता गौर आगामी फिल्म 'मिर्जापुर' में फिर से डिंपी पंडित के किरदार से वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि मिर्जापुर वेब सीरीज से लेकर अब तक उनके काम में काफी ग्रोथ देखने को मिली है। अभिनेत्री ने आगामी फिल्म 'मिर्जापुर' में फिर से डिंपी पंडित के किरदार के बारे में बताया कि वह अब पहले से बड़ी हो गई है। उन्होंने कहा, "डिंपी के किरदार में काफी ट्रांसफॉर्मेशन हुआ है, उसने अपनी जिंदगी में बहुत तरक्की की है। मिर्जापुर के हालात कुछ ऐसे हैं कि एक समय के बाद आपको खुद को चुनना होता है और डिंपी ने भी कुछ ऐसा ही किया है। उन्होंने आगे कहा, "वह इमोशनली समझदार और मेंटली मजबूत है, वह समझती है कि उसे अपनी ताकत दिखाने के लिए इस अफरा-तफरी का हिस्सा बनने की जरूरत नहीं है।" अभिनेत्री ने आगे शो की पॉपुलैरिटी के बारे में बात की।

उन्होंने कहा, "अगर ये फिल्म सीधे आती तो हमें पता नहीं चलता कि दर्शक उसे कैसा रिस्पॉन्स देंगे, लेकिन लोग पहले से ही शो के इतने बड़े फैन हैं और इसे और ज्यादा देखना चाहते हैं। पहले सीजन वाला वही अंदाज वापस आ गया है, इसलिए मुझे लगता है कि ये सारी चीजें इस एक्सपीरियंस को और भी बेहतर बनाएंगी।" अभिनेत्री ने बताया कि डिंपी से उन्हें सीखने को मिला, कि चाहे कुछ भी हो जाए, अपने डायनामिक्स में नहीं फंसना चाहिए। आपको अपनी बात रखनी होगी, और आप बिना लड़ाई-झगड़े के ऐसा कर सकते हैं।

'हट ना बे', थर्ड प्रेग्नेंसी रूमर्स पर आया करीना कपूर का रिएक्शन, शेयर की फोटो

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान अक्सर किसी न किसी वजह से चर्चा में बनी रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस विदेश में लंबी छुट्टियों के बाद मुंबई लौटी हैं और अब वह अपनी अपनी तीसरी प्रेग्नेंसी की अफवाहों के कारण चर्चा में हैं। हाल ही में करीना का एक वीडियो सामने आया, जिसे देखने के बाद उनकी प्रेग्नेंसी के कयास लगाए जाने लगे। हालांकि, करीना की टीम और ननद सबा पटौदी ने साफ तौर पर इन अफवाहों को खारिज कर दिया। वहीं अब एक्ट्रेस ने एक इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर की है, जिसके जरिए इशारों-इशारों में उन्होंने अपनी तीसरी प्रेग्नेंसी की अफवाहों को खारिज कर दिया है। करीना ने एक यूज़र की इंस्टाग्राम पोस्ट को री-शेयर किया, जिसमें वह अपना पेट दिखाते हुए पोज़ दे रहा है और इसके बैकग्राउंड में 'हम आपके हैं कौन..' का गाना 'चॉकलेट, लाइम जूस' जोड़ा गया है। वीडियो के कैप्शन में तो कुछ नहीं लिखा है, लेकिन पिज्जा और लाफिंग इमोजी जरूर बनाए गए हैं। ये वीडियो मितेश रजानी ने शेयर किया है, जो एक सेलिब्रिटी हेयर और मेकअप आर्टिस्ट हैं। ये मिरर सेल्फी अब करीना ने री-पोस्ट की है और कैप्शन में लिखा, 'हट ना बे'। करीना ने यह पोस्ट हंसने वाले और पिज़्ज़ा वाले इमोजी के साथ शेयर किया। इससे पहले न्यूयॉर्क में छुट्टियों के दौरान भी एक्ट्रेस को ऐसी ही अफवाहों का सामना करना पड़ा था। दरअसल, वेकेशन के दौरान करीना ने एक इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर की थी, जिसका सोशल मीडिया यूजर कुछ और ही मतलब निकाल बैठे और उनकी तीसरी प्रेग्नेंसी की अफवाहें जंगल में आग की तरह फैलने लगीं। हालांकि, एक्ट्रेस ने साफ किया था कि वह पिज्जा और वाइन था, जिसके चलते उनका पेट फूला हुआ लग रहा था और इसी के साथ उन्होंने लोगों से कहा था कि वे बातों को बढ़ा-चढ़ाकर न बताएं। दरअसल, हाल ही में सोशल मीडिया पर करीना कपूर का एक वीडियो वायरल हुआ।

ओरी, रुहानिका धवन और खुशी कपूर के वीकेंड मोमेंट्स में दिखी भरपूर मस्ती

ओरी अपने वीकेंड को खास बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। हाल ही में उन्होंने रुहानिका धवन और खुशी कपूर के साथ कुछ मजेदार और सुकूनभरे पल बिताए, जिसकी झलक रुहानिका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा की है। इन तस्वीरों ने फैंस को उनके खुशहाल वीकेंड मूड की एक प्यारी सी झलक दिखाई है। तस्वीरों में तीनों को हंसी-मजाक, मुस्कुराहटों और बेफिक्र पलों का आनंद लेते देखा जा सकता है। इन खास पलों को और भी दिलचस्प बनाते हुए ओरी, रुहानिका और खुशी एक जैसी गुलाबी रंग की पायजामा सेट में नजर आए, जिसने उनके गेट-टुगेदर को बेहद क्यूट और प्लेफुल टच दिया।

सुनिधि चौहान के करियर की हीरो निकलीं तबस्सुम, केबीसी में गायिका ने किया खुलासा

गायिका सुनिधि चौहान आज मनोरंजन जगत का जाना-माना नाम है, लेकिन उनके करियर के शुरुआती सफर में अभिनेत्री तबस्सुम ने अहम रोल निभाया था। इस बात का खुलासा खुद सुनिधि चौहान ने क्विज रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' में किया। क्विज रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति-18' के आगामी एपिसोड में सुनिधि चौहान मशहूर गीतकार प्रसून जोशी के साथ नजर आएंगी, जिसमें उन्होंने बताया कि तबस्सुम ही उन्हें मुंबई लेकर आई थी और दिग्गज कंपोजर कल्याणजी से मिलवाया। गायिका ने अपने सफर की बात करते हुए बताया कि जब वह सिर्फ चार साल की थीं, तब सिंगिंग एक पैशन के तौर पर शुरू किया और धीरे-धीरे यह उनका प्रोफेशन बन गया। उन्होंने कहा, "जब मैं चार साल की थी, तब से सिंगिंग मेरे लिए सिर्फ एक पैशन था। मुझे पता भी नहीं चला कि यह कब प्रोफेशन बन गया।" फिर सुनिधि ने उस मुलाकात को याद किया, जिसने उनकी जिंदगी का रास्ता बदल दिया। उन्होंने कहा, "एक शो में तबस्सुम जी आई थीं, तो मुझे तबस्सुम जी ने सुना। उन्होंने कहा तुम मुंबई आओ।" शुरुआती मुश्किल दिनों को याद करते हुए, याद करते हुए कहा, "शुरुआत के वो बहुत ही मुश्किलों से भरे दिन हुआ करते थे।" उन्होंने आगे बताया कि कल्याणजी ने उनके उन्होंने कहा कि तबस्सुम ने उन्हें घर बुलाया, उनसे गाना सुना और बाद में उन्हें कल्याणजी-आनंदजी के पास ले गईं, जिनके साथ उनके बहुत करीबी रिश्ते थे। सुनिधि ने ने उनसे कहा कि अब वह दिल्ली वापस नहीं जाएंगी। इस एपिसोड में एक खास म्यूजिकल पल भी देखने को मिला, जब सुनिधि ने अमिताभ कई गाने सुने। उन्होंने कहा, "कल्याणजी अंकल ने एक गाना नहीं, आधा-पौना घंटा मेरे बहुत सारे गाने सुने।" सुनिधि ने बताया कि गाने सुनने के बाद कल्याणजी पूरा स्टूडियो एक जश्न में बदल गया। सुनिधि चौहान ने बताया कि मुंबई पहुंचने के बाद उनके लिए कल्याणजी-आनंदजी से मुलाकात बच्चन से 'रंग बरसे' गाने की कुछ लाइनें गाने की रिक्वेस्ट की। बिग बी ने उनकी बात मान ली और ये मशहूर गाना गाया और सुनिधि ने उनके साथ सुर मिलाए, जिससे करियर का निर्णायक मोड़ साबित हुई। तबस्सुम ने न सिर्फ उन्हें प्रोत्साहित किया, बल्कि उन्हें ऐसे लोगों तक पहुंचाया जिन्होंने उनकी प्रतिभा को आगे बढ़ने का मौका दिया। सुनिधि ने कहा कि बचपन में वह सिंगिंग को केवल अपने शौक के तौर पर करती थीं। एक कार्यक्रम में तबस्सुम ने उनकी आवाज सुनी और उनकी प्रतिभा से प्रभावित होकर उन्हें मुंबई आने के लिए कहा। इसके बाद तबस्सुम ने उन्हें अपने घर बुलाकर गाना सुना और फिर कल्याणजी-आनंदजी से मिलवाया। गायिका ने बताया कि शुरुआती दौर आसान नहीं था। मुंबई में संघर्ष के दौरान उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन कल्याणजी ने उनकी प्रतिभा को पहचान लिया। उन्होंने सुनिधि के कई गाने करीब आधे से पौने घंटे तक सुने और इसके बाद उनसे कहा कि अब उन्हें दिल्ली वापस नहीं जाना है।

दुआ लिपा ने अपने समर रिचुअल का खुलासा किया

सिंगर-सॉन्गराइटर दुआ लिपा अपने पसंदीदा आइलैंड पर छुट्टियां बिताकर बेहद खुश और सुकून महसूस कर रही हैं। शुक्रवार को सिंगर ने अपने इंस्टाग्राम पर छुट्टियों की कई तस्वीरें और वीडियो शेयर किए। तस्वीरों और वीडियो में, वह अपने करीबी लोगों के साथ मजेदार खाना खाते हुए और छुट्टियों का आनंद लेते हुए दिखाई दे रही हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, "अपने पसंदीदा आइलैंड पर कम से कम एक बार जाए बिना गर्मी का मौसम अधूरा है।" इस साल की शुरुआत में शादी के बाद से ही यह सिंगर शानदार समय बिता रही हैं। उन्होंने लगभग दो साल तक डेटिंग करने के बाद ब्रिटिश एक्टर कैलम टर्नर से शादी की। इस कपल के बीच रोमांस की खबरें पहली बार 2024 की शुरुआत में उड़ी थीं और उसी साल बाद में उन्होंने अपने रिश्ते को सबके सामने जाहिर किया। लिपा ने जून 2025 में अपनी सगाई की पुष्टि की। कपल ने 31 मई, 2026 को लंदन के ओल्ड मैरीलेबोन टाउन हॉल में करीबी दोस्तों और परिवार की मौजूदगी में एक निजी सिविल सेरेमनी की। इसके बाद 6 जून को सिसिली में एक शानदार जश्न मनाया गया। इटैलियन सेरेमनी के लिए सिंगर ने खास तौर पर तैयार किया गया शनेल ऑट कउचर गाउन पहना था, जबकि खबरों के मुताबिक जश्न में कई सेलिब्रिटी मेहमान भी शामिल हुए थे। टर्नर ने हाल ही में अपनी शादी को अपनी जिंदगी का 'सबसे खूबसूरत दिन' बताया। इससे पहले, दुआ लिपा ने एल्टन जॉन के साथ अपने कोलैबोरेशन 'कोल्ड हार्ट' के 5 साल पूरे होने का जश्न मनाया, जिसे 5.3 बिलियन बार स्ट्रीम किया गया था। एक जॉइंट पोस्ट में, एल्टन जॉन और दुआ लिपा ने इस पल को सेलिब्रेट करते हुए साथ में कई तस्वीरें शेयर कीं। यह गाना जॉन और बर्नी टौपिन के साथ-साथ एंड्रयू मीचम, डीन मेरेडिथ, निकोलस लिटिलमोर, पीटर मेस और सैम लिटिलमोर द्वारा लिखे गए चार गानों का मिश्रण है। इसका प्रोडक्शन बाद के तीन लोगों ने डांस म्यूजिक ग्रुप 'प्नाउ' के हिस्से के तौर पर पूरा किया था। दुआ लिपा इन दिनों अपने निजी जीवन और म्यूजिक करियर दोनों को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। शादी के बाद यह उनकी पहली गर्मियों की छुट्टियों में से एक है, जिसका वह अपने करीबियों के साथ जमकर आनंद ले रही हैं। सोशल मीडिया पर शेयर की गई तस्वीरों में सिंगर समुद्र, खूबसूरत नजारों और खाने का लुत्फ उठाती नजर आईं। दुआ लिपा ने कैलम टर्नर के साथ करीब दो साल तक डेटिंग करने के बाद शादी की। दोनों के रिश्ते की चर्चा 2024 की शुरुआत में शुरू हुई थी। जून 2025 में दुआ ने अपनी सगाई की पुष्टि की थी। इसके बाद 31 मई 2026 को लंदन के ओल्ड मैरीलेबोन टाउन हॉल में दोनों ने करीबी दोस्तों और परिवार की मौजूदगी में निजी सिविल सेरेमनी की। कुछ दिनों बाद 6 जून को सिसिली में शादी का भव्य जश्न आयोजित किया गया। इस समारोह के लिए दुआ ने खास तौर पर तैयार किया गया शनेल ऑट कउचर गाउन पहना था। कैलम टर्नर ने हाल ही में अपनी शादी को अपनी जिंदगी का 'सबसे खूबसूरत दिन' बताया था। शादी के बाद दोनों लगातार एक-दूसरे के साथ समय बिताते नजर आ रहे हैं। दुआ लिपा अपने म्यूजिक करियर में भी लगातार सक्रिय हैं। हाल ही में उन्होंने एल्टन जॉन के साथ अपने चर्चित गाने 'कोल्ड हार्ट' के पांच साल पूरे होने का जश्न मनाया। इस मौके पर दोनों ने सोशल मीडिया पर साथ की कई तस्वीरें साझा कीं। 'कोल्ड हार्ट' को अब तक 5.3 बिलियन से ज्यादा बार स्ट्रीम किया जा चुका है। यह गाना एल्टन जॉन और बर्नी टौपिन के साथ एंड्रयू मीचम, डीन मेरेडिथ, निकोलस लिटिलमोर, पीटर मेस और सैम लिटिलमोर के लिखे चार अलग-अलग गानों के हिस्सों को मिलाकर तैयार किया गया था। गाने का प्रोडक्शन डांस म्यूजिक ग्रुप प्नाउ से जुड़े कलाकारों ने किया था। 'कोल्ड हार्ट' को अब तक 5.3 बिलियन से ज्यादा बार स्ट्रीम किया जा चुका है। गाने का प्रोडक्शन डांस म्यूजिक ग्रुप प्नाउ से जुड़े कलाकारों ने किया था। उनके पोस्ट पर फैंस भी लगातार प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' फेम मोहसिन खान ने की सगाई, मंगेतर तमन्ना का दिखाया चेहरा

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' फेम मोहसिन खान ने तमन्ना से सगाई कर ली है। सोशल मीडिया पर यह खुशखबरी शेयर करते हुए और कपल ने सगाई के दिन की तस्वीरें भी पोस्ट की हैं। टीवी एक्टर ने अपनी जिंदगी में एक नई शुरुआत की है, जिसकी झलक वायरल हो रही है। इस खास मौके की झलकियां शेयर करते हुए मोहसिन ने दिल को छू लेने वाला कैप्शन लिखा और बताया कि उन्हें अपना हमसफर मिल गया है। साथ ही अपनी मंगेतर तमन्ना का चेहरा भी दिखा दिया है।

एक्टर मोहसिन खान ने अपनी मंगेतर के साथ रोमांटिक फोटो शेयर करते हुए, लिखा, 'या अल्लाह तो यह बेहद खूबसूरत, कॉन्फिडेंट और सेंसिटिव लड़की जो हमेशा हंसती-मुस्कुराती और छेड़ती-मजाक करती है, उम्मीदें रखती और दुआएं मांगती है, हमेशा नाचती-गाती रहती है। मेरे लिए ऊपर वाले ने पहले ही तय कर दी थी।' मोहसिन क्लासिक ब्लैक टक्सीडो में बहुत हैंडसम लग रहे थे, जिसे उन्होंने क्रिस्प व्हाइट शर्ट, शानदार रेड टाई और मैचिंग रेड पॉकेट स्क्वायर के साथ स्टाइल किया था। उनकी मंगेतर भी उनके साथ खूब जंच रही थीं। उन्होंने ग्लैमरस फ्लोर-लेंथ रेड गाउन पहना था, जिसके ऊपर के हिस्से पर सीक्विन्स लगे थे और गाउन का कट बहुत शानदार था।

2-3 हजार थी पहली सैलरी, आज करोड़ों की मालकिन हैं नयनतारा, बताया कैसे शुरू हुआ था सफर?

नयनतारा और कविन अपनी आने वाली रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'Hi' की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में नयनतारा ने अपनी पहली नौकरी के बारे में बात की और बताया कि उन्हें अपनी पहली सैलरी के तौर पर कितने पैसे मिले थे। एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें अपने पहले प्रोफेशनल असाइनमेंट के लिए सिर्फ 2,000-3,000 रुपये मिले थे। आज 'लेडी सुपरस्टार' करोड़ों की मालकिन हैं और उनका खुद का प्रोडक्शन हाउस भी है। उन्होंने इस बातचीत के दौरान अपने संघर्ष के दिनों के बारे में खुलकर बात की। पर्ल माने के साथ बातचीत के दौरान, नयनतारा से उनकी पहली नौकरी और पहली सैलरी के बारे में पूछा गया। उन्होंने बताया कि उन्होंने एक मॉडल के तौर पर शुरुआत की थी और याद करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि यह एक कवर शूट के लिए था। मुझे लगता है कि मुझे एक फैशन प्रोग्राम के लिए बुलाया गया था।' फिर उन्होंने बताया कि उन्हें उस असाइनमेंट के लिए लगभग 2,000-3,000 रुपये मिले थे। पर्ल ने मजाकिया अंदाज में एक किस्सा सुनाते हुए कहा, 'मुझे अपने पिता के नाखून काटने के लिए 500 रुपये मिले थे।' नयनतारा ने अपने करियर की शुरुआत 2003 में 'मनस्सिनाक्कारे' फिल्म से की थी। उन्हें फिल्ममेकर सत्यन अंथिकाड ने 'वनिता' मैगजीन में उनकी एक फोटो देखकर चुना था, जब वह एक मॉडल के तौर पर काम कर रही थीं। शुरू में उनका एक्टिंग में आने का कोई प्लान नहीं था, लेकिन उन्होंने गौरी का रोल स्वीकार कर लिया। फिल्म की सफलता से उन्हें पहचान मिली, जिसके बाद 'विस्मयाथुम्बाथु' और 'नाट्टुराजवु' जैसी फिल्मों में दिखीं। इसके बाद उन्होंने 2005 में 'अय्या' से तमिल सिनेमा में कदम रखा, लेकिन रजनीकांत के साथ 'चंद्रमुखी' फिल्म उनके करियर का बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित हुई। शाहरुख खान की 'जवान' से नयनतारा ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था, जो बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई और हिंदी दर्शकों के बीच उनकी लोकप्रियता को और बढ़ाया। नयनतारा और कविन की आने वाली तमिल रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'Hi' का निर्देशन विष्णु एडवन कर रहे हैं, जो बतौर डायरेक्टर अपनी पहली फिल्म बना रहे हैं।

सार समाचार

क्या पीटीआई के प्रदर्शन से डरी शहबाज सरकार?

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के संवेदनशील सैन्य शहर रावलपिंडी की सुरक्षा व्यवस्था और सख्त कर दी गई है। यहां सेना की तीन कंपनियों को छह महीने के लिए तैनात करने का फरमान गृह मंत्रालय ने सुनाया है। स्थानीय मीडिया ने आधिकारिक आदेश के हवाले से ये जानकारी दी है। जिसमें इसकी वजह पंजाब सरकार की डिमांड को बताया गया हालांकि हालिया घटनाक्रम इशारा कर रहे हैं कि ये राजनीति से प्रेरित है। सवाल उठने लगे हैं कि क्या पाकिस्तान-तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी से शहबाज शरीफ की सरकार खौफजदा है? प्रमुख पाकिस्तानी दैनिक डॉन के अनुसार, गृह मंत्रालय का यह आदेश 21 अगस्त का है। आदेश में कहा गया है, "पंजाब गृह विभाग के अनुरोध पर संघीय सरकार, संविधान के अनुच्छेद 245 के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए, रावलपिंडी में 'संवेदनशील सुरक्षा कार्यों' के लिए पाकिस्तान सेना की तीन कंपनियों की तैनाती को मंजूरी देती है। इसका मकसद किसी भी अवांछित स्थिति से बचना और जिला प्रशासन की जरूरत के अनुसार किसी भी अप्रत्याशित स्थिति में प्रभावी ढंग से कार्रवाई करना है। यह तैनाती तत्काल प्रभाव से छह महीने की अवधि के लिए होगी।" पाकिस्तानी संविधान के आर्टिकल 245 के तहत सरकार जरूरत पड़ने पर सशस्त्र बलों को नागरिक प्रशासन की सहायता के लिए तैनात कर सकती है। रिपोर्ट में रावलपिंडी के मॉल रोड पर 11 अगस्त को हुई गोलीबारी का जिक्र है। हथियारबंद का नाम मुहम्मद हुसैन था जिसे जवाबी कार्रवाई में मार गिराया गया।

ईरान अब युद्ध खत्म करना चाहता है, ट्रंप करेंगे भरोसा? शांति समझौते में क्या है अड़चन

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियान ने अमेरिका के साथ महीनों से चल रहे युद्ध को खत्म करने की अपील की है। अल जज़ीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, शुक्रवार को डॉक्टरों के साथ एक बैठक में पेज़ेश्कियान ने कहा, "यह बेहतर होगा कि हम अभी युद्ध को खत्म कर दें, क्योंकि हम ताकत और सम्मान की स्थिति में हैं। पूरी दुनिया हमारी जीत को मानती है और इस बात पर ज़ोर देती है कि अमेरिका ने सभी नियमों का उल्लंघन करते हुए हमारे स्कूलों, अस्पतालों और बुनियादी ढांचे पर हमला किया है और दुनिया भर में उससे नफ़रत की जाती है।" यह बयान तब आया जब ईरान और ओमान के अधिकारियों ने तेहरान और वॉशिंगटन के बीच बातचीत फिर से शुरू करने की कोशिशों पर चर्चा की। पेज़ेशकियन ने इस आरोप को खारिज करते हुए कहा कि समझौते के तहत तेहरान को घुटने टेकने की ज़रूरत नहीं थी।

तिब्बत पर ड्रैगन की मजबूत होती पकड़ से बढ़ी चिंता! निर्वासित तिब्बती सरकार को ज्यादा समर्थन देने की उठी मांग

वाशिंगटन। तिब्बत पर अपने नियंत्रण को मजबूत करने के लिए ड्रैगन अब नई चालें चल रहा है। प्रशासन में अहम पदों पर तिब्बतियों की भागीदारी को लगातार सीमित कर रहा है। वाशिंगटन स्थित अधिकार संगठन इंटरनेशनल कैंपेन फॉर तिब्बत (ICT) की एक नई रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक चीन तिब्बत पर अपना राजनीतिक नियंत्रण लगातार मजबूत कर रहा है और महत्वपूर्ण नेतृत्व पदों पर तिब्बतियों की भागीदारी सीमित होती जा रही है। महत्वपूर्ण निर्णय लेने वाले पदों से तिब्बतियों को दूर रखा जा रहा है। ICT ने अमेरिकी संसद से भारत और नेपाल में रह रहे तिब्बती समुदायों के लिए मानवीय सहायता और अन्य सहयोग का पूरा वित्त पोषण बहाल करने की मांग की है। साथ ही संगठन ने CTA की क्षमता बढ़ाने के प्रयासों का समर्थन करने की अपील की है। सीटीए तिब्बत की निर्वासित सरकार है और इसका मुख्यालय भारत के धर्मशाला में है। यह दुनिया भर में तिब्बती प्रवासियों का प्रतिनिधित्व करती है तथा शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और संस्कृति के संरक्षण जैसी सामुदायिक सेवाओं का संचालन करती है। तिब्बत के आध्यात्मिक नेता 14वें दलाई लामा हैं, जबकि सिक्योंग (राष्ट्रपति) सीटीए के राजनीतिक प्रमुख होते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, चीन नेतृत्व पदों पर नियुक्तियों, नए कानूनों और पार्टी निर्देशों के माध्यम से तिब्बत पर अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत कर रहा है। बता दें कि हाल में चीन ने पूर्वी तिब्बत के एक वरिष्ठ तिब्बती अधिकारी को सख्त सजा देते हुए उनके पद से हटा दिया।

अमेरिका की ईंट का जवाब पत्थर से देगा कनाडा, टैरिफ पर होगी 'डॉलर के बदले डॉलर' की जंग

वॉशिंगटन। अमेरिका और कनाडा के बीच व्यापार को लेकर चल रहा तनाव अब टैरिफ वॉर में बदलता दिख रहा है। अमेरिका ने शनिवार तड़के कनाडा से आने वाले करीब 20 अरब डॉलर के सामान पर 50 फीसदी टैरिफ लगा दिया। इसके जवाब में कनाडा ने भी 8 सितंबर से अमेरिकी सामान पर जवाबी टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। दोनों देशों के बीच आखिरी दौर की बातचीत भी बिना किसी समझौते के खत्म हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए टैरिफ से कनाडा से अमेरिका आने वाले कुल सामान के करीब 5 फीसदी हिस्से पर असर पड़ेगा। इसमें हॉकी स्टिक से लेकर मेडिकल इस्तेमाल में आने वाले जीभ जांचने के उपकरण तक कई उत्पाद शामिल हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि नए जवाबी टैरिफ के बारे में आने वाले दिनों में पूरी जानकारी जारी की जाएगी। ये टैरिफ लेबर डे के बाद मंगलवार यानी 8 सितंबर से लागू होंगे। कार्नी के मुताबिक, कनाडा अमेरिका के बराबर यानी डॉलर के बदले डॉलर के हिसाब से जवाब देगा। इसके दायरे में स्टील, डेयरी उत्पाद, घरेलू उपकरण, कृषि उपकरण, पल्प और पेपर तथा इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे सामान शामिल होंगे। कार्नी ने कहा, 'कनाडा अमेरिका के साथ समझौते के लिए स्टील, एल्युमिनियम और ऑटोमोबाइल पर लगाए गए अपने बाकी जवाबी टैरिफ हटाने को भी तैयार था, बशर्ते अमेरिका अपने टैरिफ में बड़ी कटौती करता। कनाडा अमेरिकी शराब की बिक्री फिर शुरू करने के लिए प्रांतों को प्रोत्साहित करने को भी तैयार था, लेकिन अमेरिका की आखिरी मांगें बहुत ज्यादा थीं। उन्होंने बहुत ज्यादा मांगा और बदले में बहुत कम पेश किया।' अमेरिका के शीर्ष व्यापार वार्ताकार जैमिसन ग्रीर ने कहा कि अमेरिका स्टील, ऑटोमोबाइल और लकड़ी जैसे कनाडा के लिए संवेदनशील क्षेत्रों पर टैरिफ कम करने को तैयार था। ग्रीर ने यह भी कहा कि अमेरिका का मकसद अमेरिकी कामगारों और अमेरिकी सप्लाई चेन की सुरक्षा करना है।

अमेरिका को काफी महंगी पड़ रही ईरान से जंग, 770 के पार पहुंचा हताहत सैनिकों का आंकड़ा

वॉशिंगटन। ईरान के साथ अमेरिका की जंग छठे महीने में पहुंच गई है और इस दौरान हताहत हुए अमेरिकी सैनिकों का आंकड़ा 770 के पार पहुंच गया है। पेंटागन के आंकड़ों के मुताबिक, अब तक कुल 774 अमेरिकी सैन्यकर्मी हताहत हुए हैं। इनमें 18 सैनिकों की मौत हुई है, जबकि 756 सैनिक घायल हुए हैं। अमेरिकी अखबार 'द वॉशिंगटन पोस्ट' ने शुक्रवार को पेंटागन के सैन्य हताहत आंकड़ों के हवाले से यह जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक, हाल के दिनों में पेंटागन ने घायल सैनिकों की सूची में बड़ी संख्या में नए नाम जोड़े हैं। खास बात यह है कि पिछले कुछ हफ्तों में अमेरिका और ईरान के बीच बड़े पैमाने पर लड़ाई नहीं हुई है और दोनों पक्ष काफी हद तक युद्धविराम की स्थिति में रहे हैं, ऐसे में सवाल उठता है कि घायलों के आंकड़े क्यों बढ़े। रिपोर्ट के मुताबिक, हाल में जोड़े गए कुछ आंकड़े ऐसे सैनिकों से जुड़े हो सकते हैं जिनकी चोट पहले सैन्य मेडिकल सिस्टम में दर्ज हुई थी, लेकिन उसका रिकॉर्ड पेंटागन के आधिकारिक हताहत डेटाबेस में बाद में दिखाई दिया। यानी घायल सैनिकों की संख्या अचानक बढ़ने का मतलब यह जरूरी नहीं है कि हाल के दिनों में ही इतने नए हमले हुए हैं। कुछ मामलों में चोट दर्ज होने और आधिकारिक आंकड़ों में शामिल होने के बीच देरी हो सकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जून में ईरान के साथ हुए 14 सूत्री समझौता ज्ञापनके तहत युद्धविराम की अवधि आगे नहीं बढ़ाई। यह युद्धविराम सोमवार को खत्म हो गया। इसके बावजूद इसके बाद से दोनों पक्षों के बीच बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान दोबारा शुरू नहीं हुए हैं।

जापान में 5.9 तीव्रता का भूंकप, 20 लोग घायल, एक्सप्रेस और लोकल ट्रेनें प्रभावित, पीएम ने टास्क फोर्स का किया गठन

जापान में 5.9 तीव्रता का भूकंप आया है। इस भूकंप के झटके राजधानी टोक्यो में महसूस किए गए हैं। भूकंप का केंद्र जापान के दक्षिण में इराबाकी में जमीन से 70 किलोमीटर नीचे था। सुनामी का कोई खतरा नहीं है। भूकंप के चलते इराबाकी में 20 लोग घायल हो गए हैं। भूकंप के झटके इबाराकी, चाइबा और साईतामा में महसूस किए गए हैं। भूकंप के चलते एक्सप्रेस और लोकल ट्रेनें प्रभावित हो गईं। वह देरी से चल रही हैं। प्रधानमंत्री सनाए तकाइची ने भूकंप को लेकर टास्क फोर्स का गठन किया है।

जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार, भूकंप दक्षिणी इबाराकी प्रान्त में 70 किलोमीटर की गहराई पर आया। यह जापान का ऐसा इलाका है जहां अक्सर भूकंप आते रहते हैं। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे ने इसकी शुरुआती तीव्रता 5.8 मापी थी। फायर एंड डिजास्टर मैनेजमेंट एजेंसी ने बताया कि टोक्यो के उत्तर-पूर्व में स्थित इबाराकी, चिबा और सैतामा प्रान्तों में कम से कम पांच लोग घायल हुए हैं। एजेंसी ने कहा कि और भी लोग घायल हुए हैं और विवरण की जांच की जा रही है। भूकंप के कारण टोक्यो और नारिता हवाई अड्डे के बीच चलने वाली एक्सप्रेस ट्रेनों और उत्तर-पूर्वी इलाकों की अन्य लोकल ट्रेनों में देरी हुई, लेकिन शिंकानसेन बुलेट ट्रेनें सामान्य रूप से चल रही थीं। यह जानकारी उनके ऑपरेटर ईस्ट जापान रेलवे कंपनी ने दी।

प्रधानमंत्री सनाए तकाइची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर बताया कि सरकार ने संभावित नुकसान का आकलन करने के लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया है। भूकंप के झटकों से मोबाइल फोन पर इमरजेंसी अलर्ट बजने लगे और टोक्यो भी बुरी तरह हिल गया। NHK पब्लिक टेलीविजन पर मितो और सैतामा जैसे आस-पास के शहरों की सड़कों पर ट्रैफिक सामान्य दिखाई दिया। NHK के फुटेज में दिखाया गया कि टोक्यो के पूर्वी वार्ड कोटो में जमीन के नीचे पानी का एक पाइप फट गया, जिससे सड़क पर पानी बहने लगा। TEP-CO पावर ग्रिड के अनुसार, भूकंप के कारण टोक्यो में लगभग 460 घरों की बिजली चली गई थी, लेकिन रविवार सुबह तक बिजली बहाल कर दी गई। न्यूक्लियर रेगुलेशन अथॉरिटी ने बताया कि लगभग एक दर्जन न्यूक्लियर पावर प्लांट और न्यूक्लियर मटीरियल संभालने वाली अन्य सुविधाओं से किसी भी तरह की गड़बड़ी की कोई खबर नहीं मिली है।

कैलिफोर्निया असेंबली ने पारित किया दिवाली प्रस्ताव, एक-एक शब्द में झलका भारतीय समुदाय का सम्मान

वॉशिंगटन। कैलिफोर्निया की स्टेट असेंबली ने दिवाली को मान्यता देते हुए राज्य और दुनियाभर में रहने वाले भारतीय अमेरिकियों तथा भारतीय प्रवासी समुदाय के प्रति अपना "गहरा सम्मान" व्यक्त किया है। हाउस रिजॉल्यूशन 137 में इस वर्ष 8 नवंबर को मनाए जाने वाले दिवाली पर्व को मान्यता दी गई है और कैलिफोर्निया के लोगों से इसके आयोजनों में भाग लेने का आह्वान किया गया है। इस प्रस्ताव को असेंबली सदस्य दर्शना पटेल और ऐश कालरा ने 13 अगस्त को पेश किया था। यह प्रस्ताव असेंबली की नियम समिति में विचार किए जाने के बाद पारित हुआ। इसे स्टेट असेंबली के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े कई सदस्यों का समर्थन भी मिला। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए प्रस्ताव के पारित होने की जानकारी साझा की। संगठन ने कहा, "कैलिफोर्निया का दिवाली प्रस्ताव आधिकारिक रूप से एडॉप्टेड (पारित) हो गया है।" फाउंडेशन ने दर्शना पटेल और ऐश कालरा को "दिवाली के महत्व को मान्यता देने और इस महत्वपूर्ण प्रस्ताव को आगे बढ़ाने में उनके नेतृत्व" के लिए धन्यवाद दिया। संगठन ने कहा, "बिल की भाषा पर परामर्श के लिए हमसे संपर्क करने के लिए असेंबली सदस्य पटेल के कार्यालय का विशेष धन्यवाद। हमें इस प्रक्रिया में योगदान देने का अवसर मिला और इसके लिए हम आभारी हैं।" प्रस्ताव में दिवाली को भारतीय-अमेरिकी और दक्षिण एशियाई-अमेरिकी समुदायों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण त्योहार बताया गया है। इसमें कहा गया है कि हिंदू, सिख, बौद्ध और जैन समुदाय अमेरिका सहित दुनियाभर में हर वर्ष इस पर्व को मनाते हैं। प्रस्ताव के अनुसार, दिवाली को दीपावली भी कहा जाता है, जिसका अर्थ "दीपों की एक पंक्ति" है। इसमें इसे दुनिया के सबसे प्राचीन त्योहारों में से एक बताते हुए कहा गया है कि यह पर्व परिवारों, मित्रों और समुदायों को एक साथ लाता है। उदारता, एकता, खुशी, कृतज्ञता और आत्मचिंतन को दिवाली समारोह के प्रमुख तत्व बताया गया है।

फिलीपींस की राजधानी में बाढ़ के बाद बीमारी का संकट, तेजी से बढ़ रहा लेप्टोस्पायरोसिस

मनीला। फिलीपींस की राजधानी में संक्रामक रोगों के एक बड़े अस्पताल में लेप्टोस्पायरोसिस के मामले 50 तक पहुंच गए हैं और वहीं दो लोगों की मौत हो गई है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार इसकी वजह मूसलाधार बारिश और उसके बाद आई व्यापक बाढ़ है। समाचार एजेंसी सिंहुआ ने स्थानीय मीडिया टीवी5 के हवाले से बताया कि स्वास्थ्य विभाग (डीओएच) द्वारा संचालित संक्रामक रोगों के लिए राष्ट्रीय रेफरल केंद्र, सैन लाजारो अस्पताल ने लेप्टोस्पायरोसिस के मरीजों के लिए एक एक्सप्रेस लेन खोली है। डीओएच के अनुसार, अब तक देश भर से 3,760 मामले सामने आए और आशंका है कि गुजरते दिनों के साथ ये संख्या और बढ़ेगी। स्थानीय मीडिया की शुक्रवार की रिपोर्ट के अनुसार, मध्य फिलीपींस के इलोइलो प्रांत में पिछले आठ महीनों में लेप्टोस्पायरोसिस से करीब 10 लोगों की मौत हुई है। इलोइलो प्रांत में मरने वालों की संख्या 2025 की इसी अवधि में इस बीमारी से मरने वाले लोगों की संख्या से दोगुनी है। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, लोगों से आग्रह किया गया है कि अगर उन्हें संक्रमित होने का अंदेशा है तो प्रोफिलैक्सिस या बचाव वाली एंटीबायोटिक्स तुरंत लें। इस बीच, नागरिक सुरक्षा कार्यालय ने शुक्रवार को बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून और उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के कारण कुल 88 शहरों और नगर पालिकाओं ने आपदा की स्थिति घोषित की गई है। बाटान प्रांत ने आपदा की स्थिति घोषित की है और लगभग 8,000 निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

बॉन्डी बीच गोलीबारी के बाद ऑस्ट्रेलिया में बंदूक कानून सख्त

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने शनिवार को कहा कि ऑस्ट्रेलियन कैपिटल टेरिटरी (एसीटी) दिसंबर में बॉन्डी बीच पर हुई घातक सामूहिक गोलीबारी के बाद शुरू की गई 'गन बायबैक' योजना में शामिल होगी। अल्बानीज ने एक बयान में कहा कि ऑस्ट्रेलियन कैपिटल टेरिटरी (एसीटी) ऑस्ट्रेलिया के बंदूक कानूनों को और मजबूत बनाने के प्रयास के तहत इस योजना को लागू करने पर सहमति जताई है। संघीय सरकार ने जनवरी में इस 'गन बायबैक' योजना से जुड़े कानून पेश किए थे। यह कदम 14 दिसंबर 2025 को सिडनी के प्रसिद्ध बॉन्डी बीच पर आयोजित एक यहूदी उत्सव में हुई गोलीबारी के बाद उठाया गया था, जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई थी। यह 1996 के बाद ऑस्ट्रेलिया की सबसे घातक सामूहिक गोलीबारी थी। एसीटी ने शुरुआत में ही योजना में शामिल होने की इच्छा जताई थी, लेकिन इसके वित्तपोषण को लेकर संघीय सरकार के साथ बातचीत जारी थी। अंतिम समझौते के तहत, संघीय सरकार 'गन बायबैक' और प्रशासनिक खर्चों का 75 प्रतिशत वहन करेगी, जबकि हथियारों को नष्ट करने की पूरी लागत वह खुद उठाएगी। अल्बानीज ने कहा, "राष्ट्रीय स्तर पर गन रिफॉर्म यह सुनिश्चित करने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है कि बॉन्डी जैसी यहूदी-विरोधी आतंकवादी घटना दोबारा न हो।" उन्होंने कहा, "मैं एसीटी सरकार का सहयोग के लिए धन्यवाद करता हूं। हम ऑस्ट्रेलियाई लोगों की बेहतर सुरक्षा के लिए सड़कों से हथियार हटाने की दिशा में साथ मिलकर काम कर रहे हैं।"

कनाडा के नानकसर गुरुद्वारे में हमला, चाकूबाजी में 2 श्रद्धालु घायल, PM मार्क कार्नी ने घटना को बताया 'भयावह'

कनाडा के एडमॉन्टन स्थित नानकसर गुरुद्वारे में शुक्रवार तड़के हमला हो गया। जानकारी के मुताबिक एक शख्स अचानक गुरुद्वारे में घुसकर प्रार्थना स्थल की ओर जाने की कोशिश करने लगा। कर्मचारियों ने उसे रोकने की कोशिश की जिससे विवाद बढ़ गया। गुस्से में आरोपी ने वहां मौजूद दो श्रद्धालुओं पर चाकू से हमला कर दिया। घटना में 75 वर्षीय और 51 वर्षीय दो पुरुष घायल हुए हैं। दोनों की हालत स्थिर बताई जा रही है। वहीं प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने इस घटना को भयावह करार दिया है। एडमॉन्टन पुलिस के मुताबिक सुबह पांच बजे करीब यह घटना हुई। युवक द्वारा चाकू से हमला करते ही मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत आरोपी को पकड़ लिया। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि 27 साल का यह आरोपी पहले से पुलिस के रिकॉर्ड में था। उसका 2015 से हिंसक हमलों का लंबा इतिहास रहा है। वह हमले से एक दिन पहले ही अल्बर्टा की संघीय जेल से रिहा हुआ था और उसे एडमॉन्टन के एक निर्धारित हाफवे हाउस में रिपोर्ट करना था, लेकिन वह वहां नहीं पहुंचा। पुलिस अभी हमले के मकसद की जांच कर रही है और यह भी पता लगाया जा रहा है कि कहीं इसके पीछे नफरत या सिख विरोधी विचारधारा तो नहीं थी। वर्ल्ड सिख ऑर्गेनाइजेशन ने घटना को बेहद चिंताजनक बताया है और दावा किया कि हमले के दौरान गुरुद्वारे के भीतर मौजूद सिख धर्मग्रंथ की भी बेअदबी की गई। पुलिस ने कहा है कि इस पहलू की भी जांच की जा रही है। घटना के बाद गुरुद्वारे को अस्थायी रूप से आम लोगों के लिए बंद कर दिया गया है और पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

खेल समाचार

BCCI को घरेलू मुकाबलों के लिए नहीं मिला टाइटल स्पॉन्सर, संभावित उम्मीदवारों से बातचीत जारी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को अभी तक भारतीय क्रिकेट टीम के घरेलू मुकाबलों के लिए टाइटल स्पॉन्सर नहीं मिला है, क्योंकि ज्यादा कीमत की वजह से इन अधिकारों को खरीदने में ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखाई गई। बिड जमा करने की आखिरी तारीख 13 अगस्त होने के बावजूद, भारतीय बोर्ड को या तो अधिकारों के लिए कोई बोली लगाने वाला नहीं मिला या फिर बोलियां उम्मीद के मुताबिक नहीं थीं। बीसीसीआई ने 20 जुलाई को निमंत्रण जारी किया था और आईटीटी दस्तावेज खरीदने की आखिरी तारीख 4 अगस्त थी। बीसीसीआई ने स्पष्टीकरण मांगने की आखिरी तारीख 5 अगस्त रखी थी। बोर्ड संभावित स्पॉन्सर्स के साथ बातचीत कर रहा है, जिसमें गूगल जेमिनी भी चर्चा में शामिल ब्रांड्स में से एक है। स्पिनी और एसबीआई लाइफ भी बातचीत कर रहे हैं। बीसीसीआई के मौजूदा अधिकार धारक - आईडीएफसी फर्स्ट बैंक - प्रत्येक मुकाबले के लिए 4.2 करोड़ रुपए का भुगतान करते हैं, लेकिन बेस प्राइस को बढ़ाकर 4.75 करोड़ रुपए करना संभावित डील के लिए एक बड़ी बाधा लग रहा है। यह डील दो साल के लिए थी, जबकि 2023 में आईडीएफसी बैंक को तीन साल के लिए अधिकार मिले थे।

मेरा काम ट्रॉफी जीतना है, व्यूज और लाइक्स पाना नहीं: गौतम गंभीर

कोलंबो। भारत और श्रीलंका के बीच रविवार से कोलंबो के एसएससी ग्राउंड में दूसरे टेस्ट मैच की शुरुआत होगी, जिससे पहले टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने टीम की रैंकिंग और मीडिया की बढ़ती नजर को लेकर चिंताओं को खारिज कर दिया। गंभीर ने बताया कि उनकी एकमात्र प्राथमिकता लोकप्रियता हासिल करना नहीं, बल्कि टीम के लिए ट्रॉफियां जीतना है। भारत ने सीरीज का पहला मैच 165 रन से अपने नाम किया था। अब सीरीज का दूसरा और अंतिम मैच 23 अगस्त से शुरू होगा, जो निर्णायक रहेगा। मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में गंभीर ने कहा, "मेरा काम ट्रॉफी जीतना है, व्यूज और लाइक्स पाना नहीं। मैं बस इसी में यकीन रखता हूं और यही मुझमें और बाकी लोगों में फर्क है।" गंभीर ने इस बात को भी खारिज कर दिया कि टीम बदलाव के दौर से गुजरने के कारण टेस्ट में संघर्ष कर रही है, जिसकी वजह से वे इस फॉर्मेट में चौथे नंबर पर आ गए हैं। उन्होंने कहा, "बिल्कुल नहीं। हम उतना संघर्ष नहीं कर रहे हैं। रैंकिंग मायने नहीं रखती। मुझे लगता है कि हम बदलाव के दौर से गुजर रहे हैं और मुझे यकीन है कि प्रेस बॉक्स और कमेंट्री बॉक्स में बैठे लोग जानते हैं कि हम बदलाव के दौर से गुजर रहे हैं। इसके बावजूद, उतार-चढ़ाव तो आएंगे ही, इंग्लैंड दौरे के बाद पिछले एक साल में हमने काफी हद तक लगातार अच्छा क्रिकेट खेला है, टेस्ट क्रिकेट भी।

आर्चरी प्रीमियर लीग खेलेंगी ओलंपिक मेडलिस्ट केसी कॉफहोल्ड, सीजन 2 में शामिल होंगे दुनिया के 12 स्टार तीरंदाज

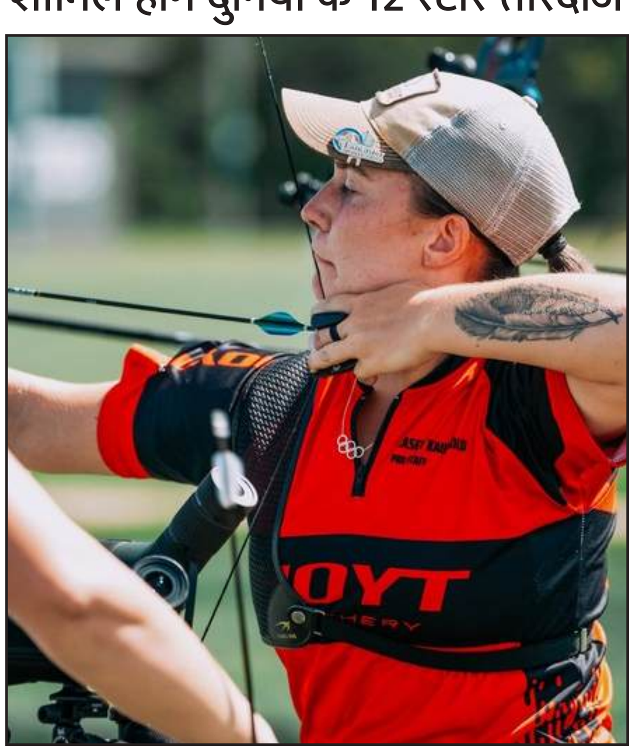

पेरिस 2024 ओलंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट केसी कॉफहोल्ड (यूएसए) आर्चरी प्रीमियर लीग (एपीएल) के दूसरे सीजन में डेब्यू करेंगी। यह टूर्नामेंट 8 अक्टूबर से हैदराबाद में शुरू होगा, जिसमें 10 अलग-अलग देशों के 12 विदेशी तीरंदाज हिस्सा लेंगे। आर्चरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया की इस लीग का दूसरा सीजन तेलंगाना सरकार के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इसमें छह क्षेत्रीय फ्रेंचाइजी में बंटे 48 तीरंदाज हिस्सा लेंगे। मौजूदा वर्ल्ड गेम्स इंडिविजुअल चैंपियन माइक श्लोसेर (वर्ल्ड नंबर 2) और एंड्रिया बेसेरा (वर्ल्ड नंबर 1) पहले सीजन के बाद फिर से वापसी करेंगे। सीजन 1 के स्टार और 2025 वर्ल्ड चैंपियनशिप के सिल्वर मेडलिस्ट मैथियास फुलरटन भी वापसी करेंगे। इनके साथ मेक्सिको के 22 वर्षीय मटियास ग्रांडे (वर्ल्ड नंबर 3) और स्पेन की एलिया कैनेलेस भी 11 दिन तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी। छह फ्रेंचाइजी टीमों वाली एपीएल, रिकर्व और कंपाउंड तीरंदाजों को एक साथ लाती है, जिसमें पुरुष और महिलाएं एक अनोखे लीग प्रारूप में एक साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं।

मार्नस लाबुशेन के खराब फॉर्म से तंग आए रिकी पोंटिंग, कहा- अब किसी और को मौका देने का समय है

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन का टेस्ट टीम से बाहर होने की कगार पर हैं। बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट की पहली पारी में वह महज 4 रन बनाकर शोरिफुल इस्लाम की गेंद पर बोल्ड हो गए। डार्विन में खेले गए पहले टेस्ट मैच में भी उनका बल्ला शांत रहा था, जहां उन्होंने पहली पारी में सिर्फ एक और दूसरी पारी में 31 रन बनाए थे। पिछले कुछ समय से उनके खराब फॉर्म को देखते हुए अब उन्हें प्लेइंग इलेवन से ड्रॉप करने की मांग काफी ज्यादा होने लगी है। बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट की पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया की टीम 210 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। मार्नस लाबुशेन पिछले तीन सालों से रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और उनके बल्ले से बड़ी पारी नहीं निकली है। जुलाई 2023 में इंग्लैंड के खिलाफ ओल्ड ट्रैफर्ड में लगाए शतक के बाद से उनका टेस्ट औसत गिरकर महज 25.43 रह गया है। हालांकि, पिछले साल वेस्ट इंडीज दौरे से ड्रॉप होने के बाद उन्होंने घरेलू क्रिकेट में रन बनाकर टीम में वापसी जरूर की, लेकिन इंटरनेशनल मैचों में उनका फ्लॉप शो जारी रहा। लगातार फ्लॉप शो को देखने के बाद अब कई पूर्व ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज क्रिकेटर उन्हें टीम से बाहर कर किसी नए खिलाड़ी को मौका देने की मांग कर रहे हैं। पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि खराब फॉर्म से जूझ रहे मार्नस लाबुशेन को सीरीज की शुरुआत में ही टीम से बाहर कर देना चाहिए था। उन्होंने कहा कि हालांकि सेलेक्टर्स का लाबुशेन को लगातार बैक करना और उन पर भरोसा दिखाना काबिले तारीफ है, लेकिन अब बहुत समय बीत चुका है। पोंटिंग के मुताबिक, लाबुशेन अपनी बेस्ट फॉर्म से काफी दूर नजर आ रहे हैं, इसलिए ऑस्ट्रेलिया टीम को अब उनके विकल्प के तौर पर किसी नए खिलाड़ी को मौका देना चाहिए। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज मार्क वॉ ने भी मार्नस लाबुशेन के भविष्य को लेकर बड़ा बयान दिया है। उनका मानना है कि अगर ट्रेविस हेड को दोबारा मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी के लिए भेजा जाता है, तो ऑस्ट्रेलिया को एक नए ओपनर की जरूरत पड़ेगी, जिससे लाबुशेन की जगह पर सवाल उठना लाजमी है। मार्क वॉ ने यहां तक कह दिया कि यह बिल्कुल संभव है कि लाबुशेन ऑस्ट्रेलिया के लिए अपना आखिरी टेस्ट मैच खेल चुके हों। लाबुशेन के लगातार खराब प्रदर्शन के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम में उनकी जगह को लेकर बहस तेज हो गई है। बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 4 रन पर आउट होने के बाद उनकी मुश्किलें और बढ़ गई हैं। पिछले कुछ समय में वह टीम के भरोसे पर खरे नहीं उतर पाए हैं और अब चयनकर्ताओं के सामने उन्हें लगातार मौका देने या किसी युवा खिलाड़ी को आजमाने का विकल्प है। रिकी पोंटिंग ने कहा कि लाबुशेन को बांग्लादेश सीरीज की शुरुआत में ही टीम से बाहर करने पर विचार किया जाना चाहिए था। उन्होंने माना कि चयनकर्ताओं ने लाबुशेन को पर्याप्त मौके दिए और उन पर भरोसा भी जताया, लेकिन अब यह सिलसिला काफी लंबा हो चुका है। पोंटिंग के मुताबिक, लाबुशेन अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म से काफी दूर हैं और ऑस्ट्रेलिया को भविष्य को ध्यान में रखते हुए नए विकल्पों को आजमाने की जरूरत है। घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर वापसी करने के बावजूद वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उस लय को बरकरार नहीं रख सके।

महिला हॉकी वर्ल्ड कप - न सिर्फ खुद की जीत, चीन के मुकाबले पर भी होंगी भारत की निगाहें

एमस्टेलवीन। एफआईएच विमेंस हॉकी वर्ल्ड कप 2026 में रविवार को भारतीय महिला टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहम मुकाबला खेलेगी। यह मैच 'पूल-ई' से सेमीफाइनल में जाने का रास्ता तय करने के लिए निर्णायक होगा। दोनों टीमों के पास एक-एक अंक है, जो टीम इस मुकाबले को अपने नाम करेगी, वह आगे बढ़ने की सबसे मजबूत स्थिति में होगी। हालांकि, अंतिम समीकरण रविवार को नीदरलैंड और चीन के बीच होने वाले मैच के नतीजों पर भी निर्भर करेगा। मेजबान नीदरलैंड ने शुक्रवार को भारत के खिलाफ 2-0 से जीत हासिल की थी। इसी के साथ मौजूदा चैंपियन ने सेमीफाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली। डच टीम ने ग्रुप-ई के अपने दोनों मैच जीते हैं। इस टीम के पास 6 अंक हैं। वहीं, चीन के दो प्वाइंट्स हैं। रविवार शाम 7:30 बजे नीदरलैंड और चीन के बीच मैच के बाद स्थिति स्पष्ट हो जाएगी, जबकि भारत का ऑस्ट्रेलिया के बीच मुकाबला रात 10:30 बजे से होगा। भारत को अगर सेमीफाइनल में पहुंचना है, तो उसे ऑस्ट्रेलियाई टीम को हराना होगा, लेकिन अगर चीन मेजबान टीम को शिकस्त देती है, तो उनके पांच प्वाइंट्स हो जाएंगे, जिसके बाद भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों की उम्मीदें खत्म हो जाएंगी। हालांकि, अगर वह मैच ड्रॉ रहता है या चीन हार जाता है, तो भारत को आगे बढ़ने और इतिहास रचने के लिए ऑस्ट्रेलिया पर सीधी जीत की जरूरत होगी। इस साल की शुरुआत में एफआईएच नेशंस कप से ठीक पहले चार मुकाबलों की सीरीज के दौरान भारत-ऑस्ट्रेलिया की टीमों ने एक-दूसरे को अच्छी तरह परखा था। कड़े मुकाबले वाली उस सीरीज का नतीजा 2-2 से ड्रॉ रहा था। इससे पता चलता है कि आमने-सामने की टक्कर में टीमें कितनी बराबरी की हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बड़े मैच से पहले, भारत को मजबूत डच टीम के खिलाफ अपने अच्छे प्रदर्शन से आत्मविश्वास मिलेगा। शुरुआती गोल खाने के बावजूद, भारतीय डिफेंस शांत और अनुशासित रहा, जिसने लंबे समय तक मेजबान टीम को परेशान किया और यह सुनिश्चित किया कि वे कोई फील्ड गोल न खाएं। टीम ने ओपन प्ले और पेनाल्टी कॉर्नर दोनों के जरिए मौके बनाए हैं।

एशेज सीरीज 2027 का एक भी मुकाबला हेडिंग्ले में नहीं होने पर स्टोक्स ने जताई नाराजगी

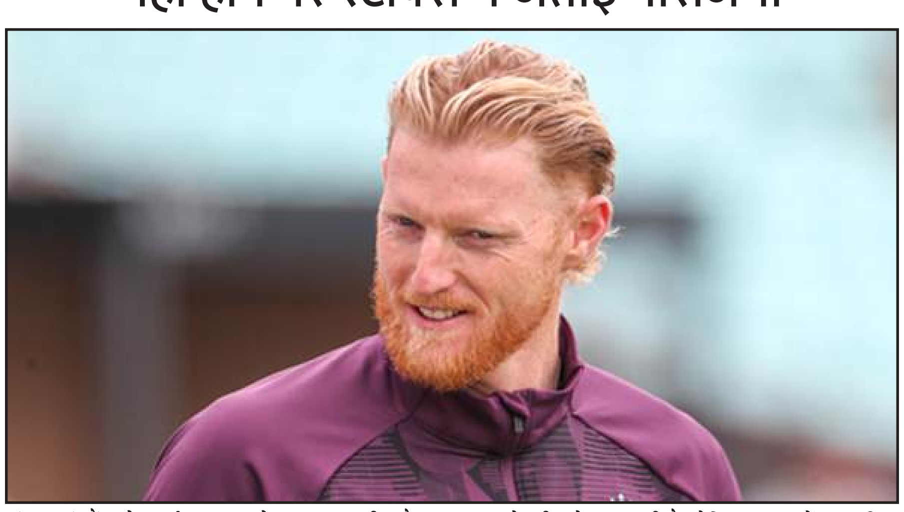

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स ने मेंस एशेज शेड्यूल 2027 से हेडिंग्ले को बाहर करने के फैसले को 'बेतुका' बताया है। इस हाई-प्रोफाइल सीरीज के लिए उत्तरी इलाके में कोई वेन्यू न होने पर खिलाड़ियों और कमेंटेटरों की बढ़ती आलोचना में वे भी शामिल हो गए हैं। स्टोक्स ने शेड्यूल पर चर्चा करने वाली एक पोस्ट के जवाब में अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' की स्टोरी पर अपनी निराशा जाहिर की। स्टोक्स ने लिखा, "शर्मनाक कहना कम होगा। 'बेतुका' कहना ज्यादा सही रहेगा। हालांकि, यह जीत शानदार रही।" उन्होंने लीड्स में पाकिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड की एक पारी और 103 रन से जीत के संदर्भ में यह टिप्पणी की। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने बताया था कि अगले साल की एशेज सीरीज ट्रेंट ब्रिज, लॉर्ड्स, एजबेस्टन, रोज बाउल और ओवल में होगी। इस आवंटन का मतलब था कि हेडिंग्ले और ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम दोनों को शेड्यूल से बाहर कर दिया गया। हाल ही में नियुक्त टेस्ट कप्तान जो रूट ने पहले उत्तरी वेन्यू को बाहर करने को शर्मनाक बताया था और इस मैदान पर इंग्लैंड के शानदार रिकॉर्ड की ओर इशारा किया था, जहां उन्होंने लगातार सात टेस्ट जीते हैं। हेडिंग्ले और ओल्ड ट्रैफर्ड दोनों को 2031 में एशेज टेस्ट की मेजबानी करनी है, लेकिन 2027 में बाहर किए जाने से कई लोग निराश हैं। इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज मार्क बुचर ने भी तीसरे दिन के प्रसारण के दौरान इस फैसले पर सवाल उठाए। उन्होंने स्काई स्पोर्ट्स के साथ बात करते हुए कहा, "मेरा मानना है कि हैम्पशायर के सबसे बड़े समर्थक को छोड़कर ज्यादातर लोग इस बात से सहमत होंगे कि एशेज जैसी बड़ी सीरीज में देश के हर हिस्से को प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। जब इस खेल को पूरे देश का खेल बताया जाता है, तो इंग्लैंड के उत्तरी हिस्से में भी कम से कम एक मैच होना चाहिए। चाहे मैच हेडिंग्ले में हो या ओल्ड ट्रैफर्ड में, इसका फैसला संबंधित अधिकारी करेंगे।

मिचेल स्टार्क ने दूसरे टेस्ट में गेंद से बरपाया कहर, सिर्फ 22 गेंदों में पूरा किया 5 विकेट हॉल

बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मैच मैके में खेला जा रहा है। इस टेस्ट मैच के पहले दिन ही ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने नई गेंद से कहर बरपाया है। मुकाबले में में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतने के बाद बांग्लादेश को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया था। इस मैच की पहली ही गेंद पर विकेट लेकर स्टार्क ने ऑस्ट्रेलिया को शानदार शुरुआत दिलाई। मिचेल स्टार्क की घातक गेंदबाजी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने सिर्फ 22 गेंद में अपना पंजा खोला। हाल ही में स्टार्क टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बाएं हाथ के गेंदबाज बने थे। मैके में मिचेल स्टार्क ने अपने पांच विकेट हॉल के साथ ही टेस्ट क्रिकेट में विकेट के मामले में साउथ अफ्रीका के दिग्गज डेल स्टेन को पीछे छोड़ दिया है। स्टार्क के अब टेस्ट फॉर्मेट में 440 विकेट हो गए हैं। वहीं, डेल स्टेन की बात करें तो उन्होंने 93 टेस्ट में 439 विकेट अपने नाम किए थे। स्टार्क अब सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में टॉप-10 में जगह बनाने में कामयाब रहे हैं। स्टार्क टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दुनिया के 5वें और ऑस्ट्रेलिया के लिए सिर्फ दूसरे तेज गेंदबाज भी बने हैं।

2034 तक चेल्सी में बने रहेंगे जोआओ पेड्रो, क्लब ने की कॉन्ट्रैक्ट बढ़ाने की पुष्टि

लंदन। चेल्सी के फॉरवर्ड जोआओ पेड्रो ने प्रीमियर लीग क्लब के साथ एक नए कॉन्ट्रैक्ट पर साइन किया है। यह कॉन्ट्रैक्ट साल 2034 तक के लिए किया गया है। शनिवार को क्लब ने इसकी घोषणा की है। ब्राजील के इस खिलाड़ी ने जुलाई 2025 में ब्राइटन एंड होव एल्बियन से चेल्सी का रुख किया था और आते ही अपनी छाप छोड़ी। उन्होंने क्लब को फीफा क्लब वर्ल्ड कप जिताने में अहम भूमिका निभाई। पेड्रो ने सेमीफाइनल में अपने पूर्व क्लब फ्लुमिनेंस के खिलाफ दो गोल किए और फिर पेरिस सेंट-जर्मेन के खिलाफ चेल्सी की फाइनल जीत में भी गोल करके लंदन की टीम को ट्रॉफी जिताने में अहम भूमिका निभाई। 23 वर्षीय खिलाड़ी ने चेल्सी में अपने पहले पूरे सीजन में शानदार फॉर्म जारी रखी। उन्होंने सभी प्रतियोगिताओं में 20 गोल किए और उन्हें समर्थकों द्वारा क्लब का 'प्लेयर ऑफ द सीजन' चुना गया। पेड्रो ने वेस्ट हैम यूनाइटेड के खिलाफ घर से बाहर खेले गए गेम में 2025/26 सीजन का चेल्सी का पहला गोल भी किया और बाद में टोटेनहम हॉटस्पर के खिलाफ जीत में एकमात्र गोल भी दागा। उन्होंने यूईएफए चैंपियंस लीग में भी अपनी छाप छोड़ी और नेपोली के खिलाफ चेल्सी की जीत में दो गोल किए। अपना कार्यकाल बढ़ाने के बाद पेड्रो ने कहा, "मैं चेल्सी के साथ नया कॉन्ट्रैक्ट साइन करके बहुत खुश हूं। मैंने हमेशा एक बड़े क्लब के लिए खेलने का सपना देखा था, और इस क्लब के प्रति अपनी लंबी अवधि की प्रतिबद्धता जताना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। चेल्सी की जीत की एक लंबी परंपरा रही है और भविष्य के लिए इसके बड़े लक्ष्य हैं।" पेड्रो ने नए मैनेजर जाबी अलोंसो के नेतृत्व में आगामी सीजन को लेकर भी अपना उत्साह जाहिर किया। उन्होंने कहा, "हर कोई इस सीजन के लिए बहुत उत्साहित है। हमारे पास एक बेहतरीन टीम है, हमारे पास एक ऐसे कोच हैं जो जीतना चाहते हैं और पहले भी जीत चुके हैं।"

अंडर-20 वर्ल्ड चैंपियनशिप: मानसी लाथर ने रजत, तन्वी और कोमल ने जीता कांस्य पदक

स्लोवाकिया। भारतीय महिला कुश्ती टीम ने स्लोवाकिया में अपनी अंडर-20 वर्ल्ड चैंपियनशिप की गिनती में तीन और पदक जोड़े। चैंपियनशिप के आखिरी दिन टीम ने एक रजत और दो कांस्य पदक हासिल किए। मानसी लाथर को 68 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में चीन की चेनलिंग सोंग के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। मानसी डिफेंसिव बाउट 1-2 से हार गईं। इसके बाद उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। तन्वी गुंडेश मगदुम ने 57 किग्रा भार वर्ग में कनाडा की एग्निया क्राकोवस्का को 10-4 से हराकर कांस्य पदक जीता।

वहीं, कोमल ने 59 किग्रा भार वर्ग में हंगरी की एडा बालाज को 5-2 से हराकर कांस्य पदक जीता। इससे पहले शुक्रवार को, भारतीय महिला कुश्ती की नई सनसनी काजल ने 76 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। इसके अलावा तनु शर्मा और सविता ने रजत पदक जीते थे। 18 साल की काजल धोचक ने 76 किग्रा चैंपियनशिप बाउट में हिस्सा लिया। उन्होंने चीन की जिंगरू सुन के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया, पॉइंट्स (वीपीओ) पर 7-0 से बिना किसी गलती के जीत हासिल की और खिताब जीता।

खाली पेट चाय-कॉफी पीने की आदत पड़ सकती है भारी, गट हेल्थ को हो सकता है नुकसान, एक्सपर्ट ने बताया क्यों?

अगर आप भी बिना कुछ खाए-पिए सुबह चाय-कॉफी पीते हैं तो यह आदत आपके पेट को धीरे-धीरे नुकसान पहुंचा सकती है। आयुर्वेदिक हेल्थ कोच डिंपल जांगड़ा अपने यू ट्यूब वीडियो बताया कि खाली पेट कैफीन लेने से कुछ लोगों में पेट में एसिडिटी और जलन जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। इससे एसिडिटी, रिफ्लक्स, सीने में जलन और पेट में असहजता महसूस हो सकती है। ऐसे में वो बता रही हैं कि खाली पेट किन चीजों का सेवन करना चाहिए और कॉफी का सेवन करते समय किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है। आइए जानते हैं कॉफी पीते समय अपने पेट की सेहत का ख्याल कैसे रखें।

हेल्दी फैट से करें शुरुआतः गर्म पानी में 1 चम्मच घी डालकर पानी का सेवन करें। घी में मौजूद ब्यूटिरिक एसिड पेट की अंदरूनी परत की कोशिकाओं को सहारा देता है और गट बैरियर को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है।

जीरा, धनिया और सौंफ की चायः सुबह एक गिलास पानी में जीरा, धनिया और सौंफ डालें और फिर पानी को पिएं। यह पानी पाचन एंजाइम को बढ़ाता है, ऐंठन कम करता है साथ ही यह शरीर से हानिकारक टॉक्सिंस बाहर निकालता है और मेटाबॉलिज्म तेज करता है।

डिंपल जांगड़ा कहती हैं कि आप कॉफ़ी या चाय का सेवन बेशक कर सकते हैं बस खाली पेट न करें। नाश्ते के लगभग 45 मिनट बाद चाय या कॉफी पिएं, ताकि पेट में खाना हो और एसिड का असर कम हो सके। एक कप कॉफी में एक चम्मच घी, बादाम का मक्खन या नारियल का तेल मिलाने से पेट पर कैफीन का असर कम होता है। यानी आपको कॉफी छोड़नी नहीं है। बस खाली पेट इसे पीना बंद करना है। डिंपल जांगड़ा कहती हैं कि अपनी गट हेल्थ को बेहतर रखने के लिए कद्दू के बीज, अलसी, एवोकाडो, जैसे हेल्दी फैट्स का चुनाव करें, ये पूरे पेट में कोशिकाओं की झिल्ली को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। पेट की अंदरूनी परत को आराम देने के लिए एलोवेरा का भी इस्तेमाल किया जाता है। हालांकि, कुछ लोगों में खाली पेट कैफीन लेने से एसिडिटी, पेट में जलन, रिफ्लक्स और सीने में जलन जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। इसे हल्का गर्म करके या सामान्य तापमान पर भी लिया जा सकता है।

स्वाइन फ्लू के लक्षणों को न करें नजरअंदाज, इन बातों का रखें ख्याल

मौसम बदलने के साथ बुखार, खांसी, गले में खराश, सिरदर्द और शरीर में दर्द जैसी परेशानियां आम लग सकती हैं। कई बार लोग इन्हें सामान्य वायरल या मौसम का असर समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन अगर ऐसे लक्षण लगातार बने रहें या बढ़ने लगें, तो सावधान होना जरूरी है। ये लक्षण स्वाइन फ्लू यानी एच1एन1 संक्रमण में भी दिखाई दे सकते हैं। ऐसे में घबराने के बजाय सही सावधानी बरतना और डॉक्टर से सलाह लेना ज्यादा जरूरी है। अगर बुखार, खांसी, गले में खराश या शरीर में दर्द जैसे लक्षण हैं, तो पर्याप्त आराम करें। शरीर को ठीक होने के लिए आराम की जरूरत होती है। साथ ही पर्याप्त मात्रा में पानी और दूसरे तरल पदार्थ लेते रहें, ताकि शरीर हाइड्रेटेड रहे। कमजोरी महसूस होने पर काम या बाहर निकलने की जल्दबाजी न करें। अगर फ्लू जैसे लक्षण हैं तो दूसरों के संपर्क में आने से बचना बेहतर है। जरूरी होने पर मास्क पहनें, खासकर जब घर से बाहर निकलना पड़े या दूसरे लोगों के आसपास रहना हो। घर में बुजुर्ग, छोटे बच्चे या पहले से किसी बीमारी से जूझ रहे लोग हों तो उनके करीब जाने में विशेष सावधानी बरतें। इससे संक्रमण फैलने का खतरा कम करने में मदद मिल सकती है। खांसी या छींक आने पर मुंह और नाक को टिश्यू पेपर से ढकें। इस्तेमाल किए गए पेपर को तुरंत कूड़ेदान में डालें। हाथों को बार-बार साबुन और पानी से अच्छी तरह धोना भी जरूरी है। हैंड सैनिटाइजर का इस्तेमाल भी किया जा सकता है। अगर लक्षण बने रहते हैं, ज्यादा बिगड़ते हैं या आपकी हालत में सुधार नहीं हो रहा है, तो डॉक्टर से सलाह लें। खासकर बुजुर्गों, छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं या किसी अन्य कारण से हाई-रिस्क ग्रुप में आने वाले लोगों को फ्लू जैसे लक्षण होने पर चिकित्सकीय सलाह लेने में देरी नहीं करनी चाहिए।

बुखार या खांसी देखकर अपनी मर्जी से एंटीबायोटिक, एंटीवायरल या दूसरी दवाएं शुरू न करें। हर बुखार फ्लू नहीं होता और हर मरीज के लिए एक जैसा इलाज जरूरी नहीं होता। डॉक्टर लक्षणों और जरूरत के अनुसार जांच या उपचार की सलाह दे सकते हैं। फ्लू जैसे लक्षण दिखाई देने पर शरीर को पर्याप्त आराम देना जरूरी है। बुखार और कमजोरी के दौरान ज्यादा काम करने या बाहर निकलने से बचें। दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी और अन्य तरल पदार्थ लेते रहें, ताकि शरीर में पानी की कमी न हो।

सप्लीमेंट्स लेने के बाद भी क्यों कम रहता है विटामिन B12?

विटामिन B12 शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण, नसों के सही कामकाज और एनर्जी मेटाबॉलिज्म के लिए जरूरी है। इसकी कमी होने पर थकान, कमजोरी, हाथ-पैरों में झनझनाहट और चक्कर जैसी परेशानियां हो सकती हैं। कई बार सप्लीमेंट्स लेने के बावजूद B12 का स्तर सामान्य नहीं हो पाता। इसके पीछे सिर्फ डाइट में कमी ही जिम्मेदार नहीं होती, बल्कि शरीर में B12 के अवशोषण से जुड़ी कुछ समस्याएं भी कारण बन सकती हैं। डॉक्टर शालिनी सिंह सालुंखे बता रही हैं किन वजहों से सप्लीमेंट लेने के बाद भी विटामिन B12 कम रह सकता है।

खाने को बहुत ज्यादा पकानाः विटामिन B12 एक वॉटर-सॉल्युबल विटामिन है और लंबे समय तक B12 वाले खाद्य पदार्थों को तेज गर्मी में पकाने से इसकी कुछ मात्रा कम हो सकती है। इसलिए इन खाद्य पदार्थों को जरूरत से ज्यादा पकाने से बचना बेहतर है।

बहुत ज्यादा मोटापाः मोटापे के साथ शरीर में सूजन है और मेटाबॉलिज्म कमजोर है तो इसकी वजह से विटामिन B12 कम होता है। शरीर में लगातार रहने वाली सूजन कोशिकाओं के काम करने के तरीके को बदल देती है, जिससे विटामिन B12 का उपयोग और भंडारण प्रभावित होता है।

डायबिटीज की दवाइयांः कुछ डायबिटीज की दवाएं, खासकर मेटफॉर्मिन, लंबे समय तक लेने पर विटामिन B12 के अवशोषण को प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए लंबे समय से ऐसी दवाएं लेने वाले लोगों में डॉक्टर समय-समय पर B12 की जांच की सलाह दे सकते हैं।

पेट से जुड़ी परेशानियांः B12 को शरीर में अवशोषित होने के लिए पेट और आंतों का ठीक तरह से काम करना जरूरी है।

हार्ट में कितना ब्लॉकेज होने पर पड़ती है स्टेंट की जरूरत, कार्डियोलॉजिस्ट ने समझाया

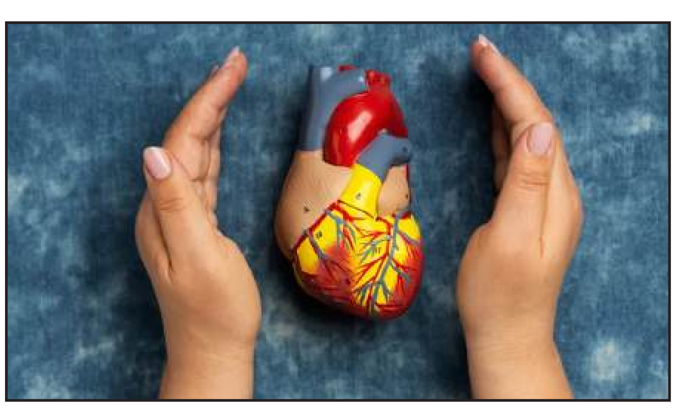

बहुत से मरीज़ सोचते हैं कि एंजियोग्राफी में ब्लॉकेज दिखते ही स्टेंट लगाना ज़रूरी हो जाता है। जालंधर स्थित सर्वोदय अस्पताल में इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट, डॉ. दिबांशु गुप्ता, कहते हैं कि एंजियोग्राफी से ब्लॉकेज दिखना और उस ब्लॉकेज के लिए स्टेंट की ज़रूरत होना, ये दो अलग-अलग बातें हैं। ऐसे में डॉक्टर बता रहे हैं कि कितना ब्लॉकेज होने पर स्टेंट की ज़रूरत पड़ती है और हार्ट अटैक में एंजियोप्लास्टी कब जान बचाने वाला होता है? हर ब्लॉकेज में स्टेंट लगाना ज़रूरी नहीं होता। स्टेंट लगाने का फ़ैसला सिर्फ़ ब्लॉकेज के प्रतिशत पर नहीं किया जाता। लक्षण कितने गंभीर हैं, ब्लॉकेज कहाँ और कितना गंभीर है, ब्लड-फ़्लो में कितनी कमी आई है और मरीज़ की पूरी चिकित्सकीय स्थिति क्या है इन सब बातों को मिलाकर ही फ़ैसला लिया जाता है। एक्यूट कोरोनरी आर्टरी ऑक्लूज़न यानी अचानक धमनी पूरी तरह बंद हो जाने या बड़े गंभीर हार्ट अटैक में स्टेंट सचमुच जान बचा सकता है। ब्लॉक हुई धमनी को जितनी जल्दी खोला जाए, दिल की मांसपेशी उतना ही कम नुकसान उठाती है। अस्पताल पहुँचने के नब्बे मिनट के अंदर इस प्रक्रिया को करवाना सबसे समझदारी भरा निर्णय माना जाता है। इससे मरीज़ के बचने की संभावना बढ़ जाती है।

सीने में होने वाले हर दर्द में तुरंत स्टेंट नहीं लगाना पड़ता। लेकिन लगातार या बढ़ता हुआ सीने का दर्द, अस्थिर ब्लड प्रेशर, अनियमित दिल की धड़कन, दिल कमज़ोर पड़ने के लक्षण या खून की जाँच में दिल को नुकसान होने की संभावना के संकेत मिलने पर तुरंत जाँच ज़रूरी हो जाती है। इन स्थितियों में देर करना जानलेवा साबित हो सकता है। बाईं मुख्य धमनी यानी लेफ्ट मेन डिज़ीज़ में ज़्यादा सिकुड़न, कई धमनियों में एक साथ ब्लॉकेज या दिल की पंपिंग क्षमता कम होने पर खून का प्रवाह बहाल करना ज़रूरी हो सकता है। कुछ मरीज़ों में स्टेंट के बजाय बाईपास सर्जरी ज़्यादा उपयुक्त विकल्प साबित होती है। इलाज सिर्फ़ स्टेंट लगाने तक सीमित नहीं है। धूम्रपान छोड़ना, सब्ज़ी-फल वाला खाना, नियमित व्यायाम, वजन नियंत्रण और तनाव कम करना ज़रूरी है।

हार्ट के लिए सुपरफूड्स है ये चीजें, ब्लॉकेज को कर सकते हैं खत्म, यहां जानें

आज के समय में कम उम्र के युवाओं में हार्ट ब्लॉकेज के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। खराब लाइफस्टाइल, मानसिक तनाव और अनहेल्दी खानपान के कारण यह समस्या अब केवल बुजुर्गों तक सीमित नहीं रही है। हार्ट ब्लॉकेज के मुख्य कारणों की बात करें तो इनमें जंक फूड, ऑयली फूड्स, रिफाइंड शुगर और प्रोसेस्ड फूड के सेवन से शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स बढ़ता है, जो धमनियों में थक्के बनाने लगता है। इसके अलावा दिनभर एक जगह बैठकर काम करना और एक्सरसाइज न करने से मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है, जिससे हृदय की कार्यक्षमता प्रभावित होती है। ऐसे में मशहूर हृदय रोग विशेषज्ञ और 'साओल' के संस्थापक डॉ. बिमल छाजेड़ के अनुसार, सही आहार और लाइफस्टाइल से धमनियों में जमा प्लॉक और ब्लॉकेज को काफी हद तक नियंत्रित और कम किया जा सकता है। डॉ. बिमल छाजेड़ ने कुछ फूड्स के बारे में बताया है जिसका सेवन करने से हार्ट ब्लॉकेज को आसानी से दूर किया जा सकता है। चुकंदर को एक सुपरफूड माना गया है। ये सेहत के लिए बहुत फायदेमंद माना गया है। ये नाइट्रिक ऑक्साइड बनाती है जो हमारे ब्लॉकेज को दूर करके ट्यूब्स को चौड़ा कर देती है। जिससे ब्लड का फ्लो बेहतर होता है। इसका सेवन करने से ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल में रहता है। बेरीज एंटीऑक्सीडेंट का बेहतरीन सोर्स माने जाते हैं। इसमें मौजूद एंथ्रोसाइनिन हार्ट ट्यूब्स को चौड़ा करता है। ये ब्लड प्रेशर को भी कंट्रोल करने में सहायक माना जाता है।

ब्लड प्रेशर लो होने से पहले दिखने लगते हैं ये लक्षण

देश दुन्या में ब्लड प्रेशर के मरीजों की संख्या भी दिन बी दिन बढ़ती जा रही है। किस का ब्लड प्रेशर ज़्यादा होता है तो किसी का कम। इन दिनों बड़ी तादाद में लोग लो ब्लड प्रेशर की समस्या से जूझ रहे हैं। बता दें।

ब्लड प्रेशर कम होने पर हमारे शरीर में ऑक्सीजन की कमी होने लगती है। लो ब्लड प्रेशर होने पर हृदय, मस्तिष्क और शरीर के अन्य अंगों को पर्याप्त रक्त नहीं मिल पाता है।

इस वजह से शरीर को कई तरह का नुकसान हो सकता है। अगर बीपी हद से ज्यादा कम हो जाए तो व्यक्ति की मौत भी हो सकती है। ऐसे में अगर किसी का ब्लड प्रेशर अचानक से कम हो जाए तो उसे कंट्रोल करने के लिए तुरंत इन नुस्खों को आज़माएं।

नमक वाला पानीः एक गिलास पानी में थोडा नमक मिलाकर तुरंत पी लीजिए। जिनको बीपी लो होने की दिक्कतें रहती हैं उनको नमक का सेवन ज़रूर करना चाहिए ताकि बॉडी में नमक जाकर बीपी को कंट्रोल कर सके।

हाइड्रेटेड रहेंः इसलिए पूरे दिन पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। यह रक्त की मात्रा को बनाए रखने में मदद करता है और लो बीपी को रोकता है।

सुबह इस बीज का पानी, चिपचिपे कोलेस्ट्रॉल को निकाल फेंकता है, जान लें कैसे करें इसका सेवन

हाई कोलेस्ट्रॉल के मरीज को डाइट में ऐसी चीजें शामिल करनी चाहिए जिससे खराब कोलेस्ट्रॉल कम रहे। शरीर में कोलेस्ट्रॉल बढ़ने पर ये नसों में जाकर चिपकने लगता है। धीरे-धीरे जब ये कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है तो ब्लड सर्कुलेशन प्रभावित होता है और हाई ब्लड प्रेशर की समस्या पैदा हो जाती है। कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा काफी ज्यादा बढ़ता है। ऐसे में आप कोलेस्ट्रॉल कम करने के लिए सुबह चिया सीड्स का पानी जरूर पीएं। ये चिपचिपे बीज धमनियों को अंदर से साफ करते हैं और कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करते हैं। जानिए हाई कोलेस्ट्रॉल में कैसे करें चिया सीड्स का इस्तेमाल? ज्यादातर लोग मोटापा कम करने के लिए चिया सीड्स का उपयोग करते हैं। लेकिन आपको बता दें कि चिया सीड्स में पाए जाने वाले खास जैली कंपाउंड शरीर में हाई कोलेस्ट्रॉल को कम करने में भी मदद करते हैं। चिया के बीज धमनियों में जमा कोलेस्ट्रॉल के कणों से चिपक जाते हैं और उन्हें फ्लश आउट करने में मदद करते हैं। चिया बीज खाने से फैट के लिपिड्स भी शरीर से बाहर आ जाते हैं। इससे धमनियों में ब्लॉकेज नहीं होती और ब्लड सर्कुलेशन अच्छा रहता है। आप चिया सीड्स को कई तरह से खा सकते हैं। आप चाहें तो इसके बीजों को सलाद या किसी फ्रूट या स्मूदी में डालकर खा सकते हैं। लेकिन बेस्ट तरीका है कि आप 1 गिलास पानी में 1 चम्मच चिया सीड्स को रातभर के लिए भिगो दें। सुबह इस पानी को हल्का गुनगुना करके पी लें। आप चाहें तो इसे 1-2 घंटे भिगोकर भी पी सकते हैं। इससे चिया सीड्स पानी में मिक्स हो जाएंगे।

गर्मागरम चाय, कॉफी पीने वाले जान लें, ज्यादा गर्म खाने से शरीर के इन अंगों पर पड़ता है बुरा असर

गर्मागरम फूली-फूली रोटियां, धुंआ निकलती चाय और सब्जी खाने के शौकीन लोग सुन लें। ज्यादा गर्म खाना आपकी सेहत पर भारी पड़ सकता है। अब आप कहेंगे कि गर्म खाना स्वादिष्ट लगता है।

बिल्कुल सही कहा आपने गर्म खाने का मजा ही कुछ और है, लेकिन अगर आप ज्यादा गर्म खाना खाते हैं तो ये आपकी सेहत के लिए ठीक नहीं है। हर खाने का एक खास तापमान होता है, जैसे कुछ चीजें गर्म अच्छी लगती है तो कुछ चीजें ठंडी अच्छी लगती हैं। लेकिन ज्यादा गर्म खाने से न तो खाने का स्वाद पता चल पाता है उल्टी शरीर को नुकसान भी झेलना पड़ता है।

दांतों को नुकसान- अगर आप बहुत ज्यादा गर्म खाना खाते हैं या कुछ पीते हैं तो इससे दांतों को नुकसान पहुंचा सकता है। दांतों में सेंसिटिविटी ज्यादा गर्म और ठंडे खाने से बढ़ती है। इसलिए हमेशा नॉर्मल टेंपरेचर पर ही चीजों का सेवन करें।

गले और जीभ को नुकसान- अधिक गर्म खाने से हमारे शरीर के वो अंग भी प्रभावित होते हैं जहां से होकर खाना जाता है। यानि जीभ और गले को भी ज्यादा गर्म खाने से नुकसान हो सकता है।

रोज 5 मिनट करें पूर्वोत्तानासन, कमर-कंधे होंगे मजबूत और तनाव होगा दूर

योग शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखने का रामबाण उपाय है। यह शरीर को स्ट्रेच करके सभी तरह की शारीरिक समस्याओं से निजात पाने में मदद भी करता है। इन्हीं आसनों में एक पूर्वोत्तानास भी है, जो बाजुओं, कंधों, कमर और पैरों को मजबूत बनाने के साथ-साथ आत्मविश्वास भी बढ़ाता है। पूर्वोतानासन का नाम दो शब्दों के मेल से बना है 'पूर्व', और 'उत्तान'। 'पूर्व' यानी 'पूर्व दिशा' या 'शरीर का अगला हिस्सा', और 'उत्तान' का मतलब है 'खिंचा हुआ'। इस आसन से आपका स्वास्थ्य अच्छा होता है और तनाव से भी मुक्त रहते हैं। आयुष मंत्रालय ने इसे एक महत्वपूर्ण योगासन बताया है। उनके अनुसार, यह एक ऐसा योगासन है, जो शरीर के पूरे भार को हाथों और पैरों पर संतुलित करके, मुख्य रूप से हाथों, कलाई, पीठ, जांघों और कंधों की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। यह आसन शरीर में ऊर्जा का संचार, रीढ़ की हड्डी में लचीलापन और पेट की मांसपेशियों को बेहतर बनाता है। पूर्वोत्तानासन का अभ्यास करने से पेट में दबाव पड़ता है, जिससे पेट की मांसपेशियां मजबूत बनती है और पेट के आसपास जमी चर्बी भी कम होने लगती है। इसी के साथ ही, पूर्वोत्तानासन शरीर के लचीलेपन को बढ़ाता है, जिससे ऊर्जा का संचार होता है।

स्किन या बालों के लिए ही नहीं सेहत से जुड़ी इन गंभीर समस्याओं में भी कारगर है करी पत्ता

करी पत्ते बालों के लिए फ़ायदेमंद माने जाते हैं। ये हेयर फॉल को कम करने, सफ़ेद बालों को रोकने और बालों के विकास में सुधार करने में काफी फायदेमंद है। लेकिन क्या आप जानते हैं या मामूली सा दिखने वाला करी पत्ता सिर्फ स्किन और बालों के लिए ही लाभकारी नहीं है बल्कि सेहत से जुड़ी कई समस्याओ में कारगर है। यह सिरदर्द में आराम दिलाने में मदद करता है, रक्त शर्करा के स्तर को कम करता है साथ ही हार्मोन को भी संतुलित करता है। चलिए जानते हैं इसे खाने से क्या फायदे होते हैं और इसका इस्तेमाल कैसे करें?

मतलीः करी पत्ता अपने पाचन गुणों के लिए जाना जाता है, जो मतली को कम करने और स्वस्थ पाचन तंत्र को बढ़ावा देने में मदद करता है। 6 ताजा करी पत्ते को धोकर सुखा लें और फिर आधा चम्मच घी में भून लें। ठंडा करके खाएं

दस्तः करी पत्ते में मौजूद कार्बाज़ोल एल्कलॉइड डायरिया-रोधी गुण होते हैं। करी पत्तों के एक गुच्छे को पीसकर उसका पेस्ट बनाकर खाया जा सकता है या पत्तों के रस का सेवन किया जा सकता है। करी पत्ते का पेस्ट बना लें और छाछ में मिलाकर पिएं।

डायबिटीज : करी पत्ता को डायबिटीज के मरीजों के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। करी पत्ते नेचुरली तरीके से इंसुलिन को बढ़ाने में मदद करते हैं जिससे शुगर कंट्रोल कर सकते हैं। इसकी चटनी बनाएं, जिसे खाने के साथ, रोटी रोल में या किसी भी चीज में मिलाकर खाया जा सकता है।

मुँह के छालेः मुंह के छाले से राहत पाने के लिए 10,12 करी पत्तों को एक गिलास पानी में उबलने के लिए रख दें। इस पानी को तब तक उबालना है, जब तक पानी आधा न हो जाए। अब इस पानी को पिएं। करी पत्ता पाउडर को शहद में मिलाकर मुँह के छालों पर लगाया जाता है।

सिर दर्द के लिए करी पत्ताः करी पत्ते का बारीक पेस्ट बनाकर उसमें खट्टी छाछ मिला लें। इसे सिर पर लगाकर सूखने तक लगा रहने दें। बाद में इसे अच्छी तरह धो लें। सप्ताह में दो या तीन बार ऐसा करने से 1-2 दिन का अंतर रहता है, जिससे काफी आराम मिलता है।

करी पत्ते का इस्तेमाल आमतौर पर खाने का स्वाद और खुशबू बढ़ाने के लिए किया जाता है। इसे बालों और त्वचा के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। करी पत्ते में मौजूद विभिन्न पौधीय यौगिकों के कारण इसका इस्तेमाल पारंपरिक तौर पर पाचन और दूसरी छोटी-मोटी परेशानियों में भी किया जाता रहा है। हालांकि, किसी बीमारी के इलाज के लिए इसे दवा का विकल्प नहीं मानना चाहिए। मतली या पेट से जुड़ी हल्की परेशानी में कुछ लोग इसका सेवन करते हैं।

ओडिशा में सरकारी स्कूलों में खाली पड़े शिक्षक पदों पर भर्ती की मांग को लेकर आंदोलन तेज

भुवनेश्वर। ओडिशा में सरकारी स्कूलों में खाली पड़े शिक्षक पदों पर भर्ती की मांग को लेकर शिक्षक अभ्यर्थियों का आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। शनिवार को आंदोलन का छठा दिन रहा। लोअर पीएमजी में सैकड़ों शिक्षक अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन किया। सरकार के साथ बातचीत से कोई समाधान नहीं निकलने के बाद अभ्यर्थियों ने भूख हड़ताल शुरू करने का फैसला लिया। शिक्षक अभ्यर्थियों का कहना है कि उनकी मांग सिर्फ सरकारी स्कूलों में खाली पदों पर भर्ती शुरू करने की है। उनका आरोप है कि सरकार उनकी स्थिति से परिचित होने के बावजूद भर्ती को लेकर गंभीरता नहीं दिखा रही है। ऑल ओडिशा टीचर्स एस्पिरेंट्स एसोसिएशन के बैनर तले शिक्षक अभ्यर्थी 17 अगस्त से लोअर पीएमजी में धरना दे रहे हैं। अभ्यर्थियों की मुख्य मांग सरकारी स्कूलों में खाली पड़े शिक्षक पदों को भरने के लिए जल्द भर्ती प्रक्रिया शुरू करना है। एसोसिएशन सरकारी प्राथमिक और हाईस्कूलों में खाली पदों के अलावा स्पेशल एजुकेटर और ओडिशा आदर्श विद्यालयों में रिक्त पदों पर भी भर्ती की मांग कर रहा है। प्रदर्शन के दौरान अभ्यर्थियों के हाथों में पोस्टर और बैनर दिखाई दिए। इनमें लिखा था,"प्रतिश्रुति नहीं, नियुक्ति दो। हम भीख नहीं मांग रहे, अपना हक मांग रहे हैं।" अभ्यर्थियों का कहना है कि वे नौकरी की मांग इसलिए कर रहे हैं क्योंकि वे संबंधित शैक्षणिक योग्यता पूरी कर चुके हैं और सरकारी भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने का अवसर चाहते हैं। शुक्रवार को प्रदर्शनकारी शिक्षक अभ्यर्थियों के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने स्कूल एवं जन शिक्षा मंत्री नित्यानंद गंड के साथ बातचीत की। अभ्यर्थियों ने अपनी मांगों को सरकार के सामने रखा और तत्काल भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की मांग की। हालांकि, बातचीत के बाद भी कोई समाधान नहीं निकल सका। प्रदर्शनकारियों के अनुसार, सरकार की ओर से कहा गया कि पहले ही करीब 26 हजार नौकरियों पर भर्ती की जा रही है और फिलहाल इससे

ज्यादा भर्ती की घोषणा नहीं की जाएगी। एक प्रदर्शनकारी ने आरोप लगाया कि सरकार ने यह भी कहा कि जब समय आएगा, तब उन्हें नौकरी दी जाएगी और अभ्यर्थी सरकार को भर्ती के लिए मजबूर नहीं कर सकते। अभ्यर्थियों का कहना है कि सरकार उनकी समस्या को समझती है, लेकिन उनकी मांग को लेकर गंभीरता नहीं दिखा रही है। अभ्यर्थियों ने कहा कि उन्होंने शिक्षक बनने के लिए जरूरी शिक्षा और प्रशिक्षण हासिल किया है और अब वे सरकारी भर्ती का इंतजार कर रहे हैं। अभ्यर्थियों का आरोप है कि बातचीत के दौरान मंत्री की ओर से उनकी शिक्षक बनने की क्षमता पर सवाल उठाए गए। इसके बाद प्रदर्शनकारियों में नाराजगी और बढ़ गई। सरकार के साथ बातचीत से कोई समाधान नहीं निकलने के बाद शिक्षक अभ्यर्थियों ने आंदोलन को और तेज करने का फैसला किया। शनिवार को एसोसिएशन ने भूख हड़ताल शुरू कर दी। अभ्यर्थियों ने कहा कि जब तक सरकार उनकी मांगों पर ठोस फैसला नहीं लेती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शनकारियों ने यह भी घोषणा की कि वे अनिश्चितकाल तक लोअर पीएमजी में बैठकर अपनी मांग उठाते रहेंगे। शनिवार को प्रदर्शन के दौरान शिक्षक अभ्यर्थियों ने कैंडल मार्च भी निकाला।

इंडिया में करीब 8.7 करोड़ युवा न पढ़ाई कर रहे

नई दिल्ली। नीति आयोग ने अपनी रिपोर्ट में देश के युवाओं से जुड़ी चौंकाने वाली जानकारी दी है। नीति आयोग ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि देश में करीब 8.7 करोड़ युवा न पढ़ाई कर रहे, न रोजगार में हैं और न ही प्रशिक्षण ले रहे हैं। नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट में ये पता लगा है कि देश में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के करीब 8.7 करोड़ ऐसे युवा हैं, जो न ही स्टडी कर रहे हैं और न ही उनके पास कोई रोजगार है और न ही वह कोई ट्रेनिंग ले रहे हैं। नीति आयोग ने 'विकसित भारत 2047 के लिए कौशल विकास की नयी कल्पना' शीर्षक वाली रिपोर्ट में ये बताया है कि ये अनुमान साल 2021 में किए गए राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (78वें दौर) के आंकड़ों पर आधारित है।

नीति आयोग की रिपोर्ट में इस बात पर भी जोर दिया गया है कि युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित किया जाए और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का इंतजाम हो। रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि शिक्षा, रोजगार और प्रशिक्षण नहीं लेने वाले युवाओं और महिलाओं के लिए ऐसे प्रशिक्षण विकल्पों की जरूरत है जो किफायती हों और उन पर सब्सिडी भी हो।

'सिर्फ क्रिमिनल केस पेंडिंग होने के चलते नौकरी से नहीं हटा सकते सरकारी कर्मचारी'

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी सरकारी कर्मचारी को महज इसलिए नौकरी से नहीं निकाला जा सकता है कि उसके विरुद्ध कोई क्रिमिनल केस चल रहा है, खासकर तब जब उस कर्मचारी को अपना पक्ष रखने का अवसर न दिया गया हो। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागू की पीठ ने एक सिपाही को नौकरी से हटाने को गैरकानूनी माना, क्योंकि उसे हटाते वक्त वह दोषी नहीं ठहराया गया था और यह ऑर्डर पूरी तरह से क्रिमिनल केस पेंडिंग होने के आधार पर दिया गया था। लाइव लॉ डॉट इन में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने कहा, "अपीलकर्ता को जॉब से इसलिए नहीं हटाया गया कि उसको किसी आपराधिक आरोप में दोषी ठहराया जा चुका था, बल्कि महज इसलिए हटाया गया क्योंकि उसके विरुद्ध क्रिमिनल केस पेंडिंग था। उसे अपना पक्ष रखने का अवसर भी नहीं दिया गया। हमें ऐसा कोई कानून नहीं दिखा है जो किसी सरकारी नियोक्ता को पुलिस विभाग में एक दशक से अधिक वक्त से काम कर रहे कर्मचारी को केवल क्रिमिनल केस पेंडिंग होने के आधार पर नौकरी से निकालने या हटाने का अधिकार देता हो। ऐसी में नौकरी से हटाने के इस निर्णय को सही नहीं ठहराया जा सकता।" हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने दो दशक से अधिक समय बीत जाने के बाद नौकरी पर वापस रखने का ऑर्डर देने से इनकार कर दिया और संविधान के अनुच्छेद 142 के अंतर्गत अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए पंजाब सरकार को निर्देश दिया कि वह अपीलकर्ता को मुआवजे के रूप में 5 लाख रुपये का भुगतान करे। गौरतलब है कि अपीलकर्ता को शुरू में 1991 में पंजाब पुलिस में स्पेशल पुलिस ऑफिसर के रूप में नियुक्त किया गया था। फिर बाद में उसको पटियाला की फर्स्ट इंडियन रिजर्व बटालियन में सिपाही के पद पर नियुक्ति के लिए चुना गया था। लेकिन अगस्त, 2002 में उन्हें ड्यूटी जॉइन करने नहीं दी गई थी।

इससे पहले हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में जज बनने की तैयारी करने वालों को बड़ी राहत दी थी। अब जज की परीक्षा की तैयारी करने वालों को सिर्फ 1 साल वकालत का अनुभव चाहिए होगा। सुप्रीम कोर्ट ने सरकारी कर्मचारियों की सेवा से जुड़े एक अहम मामले में कहा है कि सिर्फ किसी कर्मचारी के खिलाफ आपराधिक मामला लंबित होने के आधार पर उसे नौकरी से हटाया नहीं जा सकता, खासकर तब जब कर्मचारी को अपना पक्ष रखने का उचित अवसर भी नहीं दिया गया हो। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागू की पीठ ने पंजाब पुलिस के एक कर्मचारी की सेवा समाप्ति को गैरकानूनी माना। कोर्ट ने कहा कि कर्मचारी दोषी नहीं ठहराया गया था, बल्कि केवल केस लंबित होने के आधार पर उसे नौकरी से हटाया गया था। हालांकि, अगस्त 2002 में उसे ड्यूटी जॉइन करने की अनुमति नहीं दी गई।

देहरादून में सड़क पर मारपीट और पिस्टल लहराकर धमकाने के मामले में 3 आरोपी गिरफ्तार, हथियार भी बरामद

देहरादून। प्रेमनगर थाना क्षेत्र में सड़क पर मारपीट और पिस्टल लहराकर धमकाने का वीडियो वायरल होने के बाद दून पुलिस एक्शन मोड में आ गई। पुलिस ने मामले में दोनों पक्षों के तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लाइसेंसी .32 बोर पिस्टल, पांच जिंदा कारतूस, घटना में प्रयुक्त डंडा और फॉर्च्यूनर कार बरामद की है। पुलिस के मुताबिक, शुक्रवार रात नेक्स्ट हॉस्टल के पास सड़क पर दो वाहनों को लेकर विवाद हुआ था। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। वायरल वीडियो और सीसीटीवी फुटेज में एक व्यक्ति डंडा लिए दिखाई दे रहा है, जबकि दूसरे व्यक्ति के हाथ में पिस्टल नजर आ रही है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ स्थानीय लोगों से जानकारी जुटाई। जांच में एक व्यक्ति की पहचान झाझरा निवासी गौरव के रूप में हुई, जिसे पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में सामने आया कि गाड़ी हटाने को लेकर विवाद शुरू हुआ था। गौरव ने बताया कि उसने फॉर्च्यूनर चालक से सड़क से वाहन हटाने को कहा था, लेकिन विवाद बढ़ने पर उसने डंडे से हमला कर दिया। इसके बाद फॉर्च्यूनर चालक नीरज राजपूत और उसका साथी मनीष नेगी मौके पर पहुंचे।

हैदराबाद में गिरा सात मंजिला निर्माणाधीन मकान, 2 की मौत; दो घायल

हैदराबाद। तेलंगाना का राजधानी हैदराबाद में सात मंजिला निर्माणाधीन इमारत गिर गई। इस हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग घायल हो गए। घटना के बाद तुरंत मौके पर बचावकर्मी पहुंचे और रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। बचाव अभियान में शामिल एक फायर अधिकारी ने बताया कि गाचीबोवली के अंजय्या नगर में ढही इमारत का मलबा हटाते समय दो शव बरामद किए गए। उन्होंने कहा कि 'विक्टिम लोकेशन सिस्टम' डिवाइस का इस्तेमाल करके दोनों शवों का पता लगाया गया। निर्माणाधीन मकान का मलबा पास की अपार्टमेंट इमारतों पर गिरा, जिससे उन्हें नुकसान पहुंचा और दो लोग घायल हो गए। घायलों में से एक को अस्पताल में भर्ती कराया गया। अपने फ्लैटों को नुकसान पहुंचने के बाद, कुछ निवासियों को इमारत खाली करने के लिए मजबूर होना पड़ा। वहीं स्थानीय लोगों ने बताया कि दोपहर में उन्होंने तेज आवाज सुनी और देखा कि निर्माणाधीन इमारत ढह गई थी। हैदराबाद डिजास्टर रिस्पॉन्स एंड एसेट प्रोटेक्शन एजेंसी (HYDRAA) के कमिश्नर ए.वी. रंगनाथ ने घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने कहा कि सात मंजिल और एक पेंटहाउस वाली यह इमारत लगभग 50-60 वर्ग गज के प्लॉट पर बनाई जा रही थी। उन्होंने कहा कि मरने वाले दोनों लोग मजदूर थे। उन्होंने बताया कि ढही हुई इमारत और आस-पास की कुछ अन्य संरचनाएं एक 'नाले' के पास और जरूरी 'सेटबैक' (इमारत और प्लॉट की सीमा के बीच खाली जगह) छोड़े बिना बनाई गई थीं, जो नियमों का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि HYDRAA और साइबराबाद म्युनिसिपल कॉरपोरेशन नियमों का उल्लंघन करके बनाई गई इमारतों को गिराने के लिए मिलकर काम करेंगे। उन्होंने नियमों का उल्लंघन करके बनाई गई इमारतों के निवासियों से उन्हें खाली करने का आग्रह किया और कहा कि ऐसी संरचनाएं केवल 50-60 वर्ग गज के प्लॉट पर बनाई गई थीं। वहीं CMC कमिश्नर जी. श्रीजना ने भी घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने कहा कि इमारत को चार महीने पहले जब्त कर लिया गया था, लेकिन शुक्रवार को निर्माण कार्य फिर से शुरू हो गया था। कमिश्नर ने कहा कि ऐसी संरचनाओं के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मुंबई में भुलेश्वरचा राजा के आगमन समारोह में हादसा, बोल्ट में खराबी के कारण 22 फुट की मूर्ति गिरी

हादसा बोल्ट में खराबी के कारण हुआ। इस वजह से मूर्ति खंडित होकर नीचे गिर गई और कई लोग इसकी चपेट में आ गए।

महाराष्ट्र के मुंबई में 'भुलेश्वरचा राजा' के आगमन समारोह के दौरान गणेश की मूर्ति गिर गई, जिससे दो लोगों की मौत हो गई और दो बच्चों समेत पांच लोग घायल हो गए। सिविक अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा शनिवार रात मुंबई के दक्षिणी इलाके में हुआ। उन्होंने बताया कि यह घटना रात करीब 10 बजे भुलेश्वर में जय अंबे चौक पर कबूतरखाना के पास बलराम मर्चेंट रोड पर हुई। हादसा 'भुलेश्वरचा राजा' गणपति उत्सव के दौरान हुआ। लोग बड़ी संख्या में गणेश प्रतिमा के आगमन जुलूस के लिए एकत्रित हुए थे। इसी दौरान प्रतिमा गिरने से कई लोग घायल हो गए। एक सिविक अधिकारी ने बताया कि घायलों को तुरंत पास के अस्पतालों में ले जाया गया। हालांकि, दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे और उनकी मौत हो गई। घटना के बाद मुंबई फायर ब्रिगेड, मुंबई पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, 108 एम्बुलेंस सर्विस और सिविक वार्ड स्टाफ को मौके पर भेजा गया। बीएमसी के अनुसार, शुरूआत में एक व्यक्ति को मृत अवस्था में जीटी अस्पताल लाया गया था, जबकि दो घायल व्यक्तियों का इलाज चल रहा था। बाद में, अधिकारियों ने पुष्टि की कि इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान संकेत नेवशे (33) और बृजेश हेमंत जोशी (30) के रूप में हुई है। वहीं, पांच घायलों की पहचान वैभव घेनंद (38), पवन चौरसिया (25), 5 साल की लावण्या गणेर, 7 साल की दिव्या गणेर और कुणाल काशिद (26) के रूप में हुई है। सिविक अधिकारियों ने बताया कि सभी घायलों की हालत स्थिर है। मुंबई और महाराष्ट्र के दूसरे हिस्सों में, 10 दिन का गणेशोत्सव सबसे बड़े और सबसे ज्यादा मनाए जाने वाले त्योहारों में से एक है। इस त्योहार के दौरान, हाथी के सिर वाले हिंदू देवता भगवान गणपति की मूर्तियों को पंडालों और घरों में स्थापित किया जाता है और उनकी पूजा की जाती है। एक दशक से भी ज्यादा समय से, मुंबई में बड़े जुलूस निकाले जाते हैं, जिसमें भक्त संगीत, जश्न और बड़ी भीड़ के बीच मूर्तियों को अलग-अलग पंडालों में लाते हैं। मुंबई में गणेशोत्सव से पहले गणेश प्रतिमा के आगमन समारोह के दौरान बड़ा हादसा हो गया। दक्षिण मुंबई के भुलेश्वर इलाके में 'भुलेश्वरचा राजा' की प्रतिमा गिरने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो बच्चों समेत पांच लोग घायल हो गए। हादसा शनिवार रात करीब 10 बजे जय अंबे चौक के पास बलराम मर्चेंट रोड पर हुआ। बताया गया कि 'भुलेश्वरचा राजा' गणपति उत्सव के तहत प्रतिमा के आगमन जुलूस के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे थे। इसी दौरान अचानक गणेश प्रतिमा गिर गई, जिसकी चपेट में कई लोग आ गए। हादसे की सूचना मिलते ही मुंबई फायर ब्रिगेड, पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, 108 एंबुलेंस सेवा और बीएमसी के संबंधित कर्मचारियों को मौके पर भेजा गया। घायलों को तत्काल आसपास के अस्पतालों में पहुंचाया गया। 10 दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में घरों और पंडालों में भगवान गणेश की प्रतिमाएं स्थापित कर पूजा-अर्चना की जाती है। ऐसे आयोजनों में बड़ी भीड़ के कारण सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है।

BJP अध्यक्ष नितिन नवीन की नई टीम से मिले PM मोदी, जानें क्या मूल मंत्र दिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज (शनिवार को) BJP की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के नए पदाधिकारियों से बातचीत की। अपने संबोधन में PM मोदी कहा कि ऐसी मीटिंग्स, पार्टी को मजबूत बनाने के लिए नए दृष्टिकोण और विचारों पर केंद्रित होती हैं। बता दें कि बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की लीडरशिप वाली नई टीम का ऐलान बीते 17 अगस्त को किया गया था और अब टीम ने पहली बार पार्टी अध्यक्ष और प्रधानमंत्री मोदी के साथ मीटिंग की। इस बैठक में निवर्तमान राष्ट्रीय कार्यकारिणी के कुछ पदाधिकारी और कुछ राज्यों के यूनिट्स के अध्यक्ष भी शामिल हुए। पीएम मोदी ने इस मीटिंग को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर भी पोस्ट किया। प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, 'संगठन की बैठकें पार्टी को मजबूत बनाने और लोगों के साथ जुड़ाव बढ़ाने के लिए नए विचारों व दृष्टिकोण पर केंद्रित होती हैं। पार्टी के साथियों और नई संगठनात्मक टीम के साथ बहुत सार्थक बातचीत हुई।' इस मीटिंग में BJP के नए उपाध्यक्ष राम माधव और राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे, त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लव देव, पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, महासचिव (संगठन) बी. एल. संतोष और कोषाध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल भी शामिल हुए।

Gen Z को साधने की तैयारी में BJP, बनाई गई स्पेशल टीम; जानें कौन-कौन होगा शामिल और क्या होगा काम?

नई दिल्ली। सूत्रों के मुताबिक, BJP ने Gen Z के बीच आउटरीच बढ़ाने के लिए एक विशेष टीम का गठन किया है। इस टीम में BJP के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, राष्ट्रीय महामंत्री स्मृति ईरानी, विनोद तावड़े, हर्ष सांघवी और ओ.पी. चौधरी समेत कुछ अन्य नेताओं को शामिल किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, यह टीम Gen Z यानी युवा वर्ग के साथ संवाद और संपर्क बढ़ाने के लिए जल्द ही विशेष आउटरीच कार्यक्रम शुरू करेगी। बीजेपी की इस टीम का फोकस युवाओं से सीधे संवाद, उनकी अपेक्षाओं और मुद्दों को समझने तथा पार्टी की नीतियों और विचारधारा से उन्हें जोड़ने पर रहेगा। बता दें कि इससे पहले शनिवार को बीजेपी की राष्ट्रीय पदाधिकारी की बैठक बुलाई गई थी, जो कि अब संपन्न हो गई है। इस बैठक में नए पदाधिकारियों के साथ पार्टी के पुराने पदाधिकारियों को भी बुलाया गया था। सूत्रों के मुताबिक, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बैठक में पदाधिकारियों से युवाओं के साथ अधिक से अधिक संवाद और आउटरीच बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में संयम और अनुशासन बनाए रखना बेहद जरूरी है और विपक्ष के आरोपों का जवाब तथ्यों के आधार पर दिया जाना चाहिए। नितिन नवीन ने सभी पदाधिकारियों से पार्टी की विचारधारा से जुड़े रहते हुए 'नेशन फर्स्ट' की भावना के साथ काम करने का आह्वान किया। वहीं आज शाम होने वाली बीजेपी की अंतिम बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक प्रदीप सिंह के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व 1053, सोसाइटी नगर, शहीद भगत सिंह कॉलोनी, पाली, राजस्थान - 306401 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार I RNI No. - RJMUL/26/A4290 प्रबंध सम्पादक - प्रदीप सिंह, मो . 9983831415